डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शुक्रवार 17 मार्च,2023 वर्ष—07/अंक—297 प्रष्ठ—08/मूल्य—2 रूपये

नोबेल कमेटी के डिप्टी लीडर ने भारत को सराहा

नोबेल कमेटी के डिप्टी लीडर असल तोजे ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे मजबूत दावेदार बताया। असल तोजे ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से रूसी राष्ट्रपति को युद्ध के बारे में समझाया, वो काबिले तारीफ है। उन्होंने बिना कोई धमकी दिए परमाणु यद्ध के परिणामों के बारे में पूरी दुनिया को समझाया दिया। हमें अंतरराष्ट्री राजनीति में इसी तरह के लीडर की जरूरत है।

असल तोजे ने और क्या—क्या कहा?

असल तोजे ने पीएम मोदी और भारत के प्रयासों की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि दुनिया को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस तरह के और हस्तक्षेप की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत ने किसी से तेज आवाज में बात नहीं की, किसी को धमकी नहीं दी, सिर्फ दोस्ताना तरीके से अपनी स्थिति से अवगत कराया। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हमें इसकी और जरूरत है।

इसके एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पीएम मोदी के शासन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की नीति के कारण भारत एक समृद्ध और शक्तिशाली देश बन रहा है।

विदेश नीति के विद्वान और नोबेल शांति पुरस्कार समिति के सदस्य असल तोजे अपने भारत दौरे पर हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का एक महाशक्ति बनना तय है। असल ने आगे कहा, पीएम मोदी रूस—यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए सबसे भरोसेमंद नेता हैं और केवल वे ही शांति स्थापित कर सकते हैं।

सरकार ने दी 70000 करोड़ रुपये के हथियार खरीदने के प्रस्तावों को मंजूरी

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय रक्षा बलों के लिए विभिन्न हथियार प्रणालियों की खरीद के लिए 70,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी

है। रक्षा अधिकारियों ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, इन प्रस्तावों में भारतीय नौसेना के लिए 60 मेड इन इंडिया यूटिलिटी हेलीकॉप्टर मरीन और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, भारतीय सेना के लिए 307 ।ज।ळे हॉवित्जर, भारतीय तटरक्षक बल के लिए 9 ALH ध्रुव हेलिकॉप्टर खरीदने के प्रस्तावों की मंजूरी शामिल है। इतना ही नहीं, इन प्रस्तावों में भारतीय नौसेना के लिए एचएएल द्वारा निर्मित 60 यूएच समुद्री हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए 32,000 करोड़ रुपये का मेगा ऑर्डर भी शामिल है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सरकार ने ब्रह्मोस मिसाइल, शक्ति ईडब्ल्यू सिस्टम और यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (समुद्री) को भारतीय नौसेना के लिए मंजूरी दे दी गई है। इसकी कीमत 56,000 करोड़ रुपये आएगी। भारतीय वायु सेना के लिए लॉन्ग रेंज स्टैंड—ऑफ वेपन को भी मंजूरी दी गई, इसे SU&30 MKI विमान पर एकीकृत किया जाना है।

जनपद भ्रमण के दौरान सूबे के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने विकास भवन में की समीक्षा बैठक, संबंधित अधिकारियों से विकास कार्यो का लिया जायजा

सूबे के औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन, एन0आई0आई0 तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता (नन्दी जी) द्वारा आज जनपद भ्रमण के दौरान विकास भवन के सभागार में जनपद के विकास कार्यों, राजस्व वसूली व कानून व्यवस्था की समीक्षा की गयी। समीक्षा में जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक नीलिमा कटियार, अभिजीत सिंह सांगा, एमएलसी अरुण पाठक, पुलिस आयुक्त बी0पी0 जोगदंड, जिलाधिकारी विशाख जी, मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जी0एन0 सहित सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा में सोलर सिंचाई पम्प की आपूर्ति एवं स्थापना में अवगत कराया गया कि कुल 87 सोलर पम्प का लक्ष्य था, जिसके सापेक्ष 87 सोलर पम्प स्थापित करा दिए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि शत—प्रतिशत पात्र किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाना सुनिश्चित कराया जाए कोई भी पात्र किसान लाभ से वंचित न रहे। नहरों में रोस्टर के अनुसार टेल तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। सामुदायिक शौचालय निर्माण की स्थिति की समीक्षा में अवगत कराया गया कि 590 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 588 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय काम्पलेक्स क्रियाशील है, जो स्वयं सहायता समूह को हैंड ओवर हैं तथा शेष 02 ग्राम पंचायतों में जमीन की उपलब्धता न होने के कारण अभी शौचालय काम्प्लेक्स का निर्माण नहीं कराया जा सका है, शीघ्र ही स्थल का चयन कर सामुदायिक काम्प्लेक्स का निर्माण सुनिश्चित करा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा में अवगत कराया गया कि 1169 लक्ष्य के सापेक्ष 1169 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न करा लिया गया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि आधार सीडिंग एवं आधार प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण कराकर शत—प्रतिशत पात्र परिवारों को खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराया जाए, कोई भी पात्र परिवार लाभ से वंचित न रहे। उद्योग बंधु की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि उद्यमियों की प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए, जिससे कि उद्यमियों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। पेंशन योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि यदि पेंशन के लिए कोई आवेदन आता है तो समयबद्ध उसका सत्यापन कराकर प्रकरण को निस्तारित कराया जाए तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को पेंशन योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि द्वितीय किस्त के भुगतान का कार्य संतोषजनक नहीं है, शत—प्रतिशत लाभार्थियों को शीघ्र द्वितीय किस्त का भुगतान सुनिश्चित कराया जाए। आई0जी0आर0एस0 की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि प्रकरणों के निस्तारण में यह सुनिश्चित कराया जाए कि प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि अपराधियों को सजा दिलाने में प्रभावी पैरवी की जाए, जिससे समाज में भयमुक्त वातावरण में स्थापित हो।

कस्तूरबा विद्यालय की 28 छात्राओं को बांटे गये चश्मे

बांदा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नरैनी में निःशुल्क चश्मा वितरण किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य योजना को स्वास्थ्य मंत्रालय ने फरवरी 2013 में शुरू किया था। इसका उद्देश्य बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को नियंत्रित करने के साथ ही बीमारियों का पता लगाकर उनका इलाज करना है। बुधवार को कस्बा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में दृष्टि दोष से ग्रसित कुल 28 छात्राओं को कैंप लगाकर निःशुल्क चश्मा वितरण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विपिन शर्मा ने चश्मा वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य योजना के नेत्र परीक्षण अधिकारी पंकज नामदेव ने छात्राओं को जानकारी दी, कि दृष्टि दोष से ग्रसित बच्चों को चश्मे का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होने बताया कि इसके निरंतर उपयोग से चश्मे का नंबर बढ़ने की संभावना कम होने के साथ ही भविष्य में अंधता से भी बचा जा सकता है। कार्यक्रम में योजना से संबंधित स्वास्थ्य टीम, शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रहीं।

शहडोल के व्यौहारी में मुरम खदान धसकी, दबने से दो मजदूरों की मौत

शहडोल। जिला मुख्यालय से तकरीबन 120 किलोमीटर दूर ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम झारौसी में बुधवार की सुबह मुरम खदान धसकने से दो मजदूरों की दबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मुकेश कोल एवं अनीश कोल निवासी ग्राम झरौसी के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार जहां घटना हुई है वहां अवैध रूप से मुरम निकलवाई जा रही थी। बुधवार को खदान में मुरम लोड करने एक ट्रैक्टर लगा हुआ था। जिसमे मृतकों समेत अन्य मजदूर मुरम भर रहे थे। इसी दौरान खदान के ऊपरी हिस्से से मुरम भर भराकर गिरी, जिसमें दोनों मजदूर दब गए,जिससे उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अवैध रूप से मुरम निकालने गांव—गांव से मजदूर और ग्रामीण भी बड़ी संख्या में बुलवाए जाते हैं और जिनकी जान खतरे में डालकर कुछ लोग यह काम करवा रहे हैं।

इसलिए निकाली जा रही अवैध रूप से मुरम

रीवा से टेटका मार्ग में किसी कंपनी द्वारा लगभग पांच सौ करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। उसी सड़क की पटरी भराई के लिए अवैध रूप से झरौसी से मुरूम निकलवाकर डलवाया जा रहा है। इस घटना के बाद मौके पर पुलिस रवाना हो गई है। इस संबंध में पुलिस ने जानकारी दी है कि घटना हुई है और मुरूम खदान के नीचे दबकर दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं और मामले की जांच कर रहे हैं।

घुमंतू प्रजाति के 18 लोगों को किया गया आवासीय भूमि का आवंटन

बांदा। घुमंतू प्रजाति के 18 लोगों को आवासीय भूमि का आवंटन बबेरू तहसील सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा हमारी सरकार 'सबका साथ सबका विश्वास' के तहत कार्य कर रही है। घुमंतू प्रजाति के 18 महिला एवं पुरुषों को आवासीय भूमि का आवंटन अध्यक्ष भूमि प्रबन्धन समिति एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल, उप जिलाधिकारी रावेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार अभिनव तिवारी ने लॉटरी सिस्टम से आवासीय भूमि प्रमाण पत्र वितरित किए। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिह पटेल ने कहा कि सरकार ने यह योजना शुरू कर घुमंतू लोगो को आवासीय पट्टा दिया है। कहा कि आनलाइन कराकर उन्हे आवास दिया जायेगा। सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रत्येक गरीब व्यक्ति को लाभान्वित करने के लिए कृतसंकल्प है। इस मौके पर उप जिलाधिकारी रावेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार अभिनव तिवारी, प्रधानपति रामफल त्यागी, लेखपाल राजेंद्र द्विवेदी, देवानन्द तिवारी, दीपक कुमार, अकित शिवहरे, नीरज द्विवेदी सहित लोग मौजूद रहे। घुमंतू लोगों मे आवास पाकर बेहद प्रसन्नता देखी गयी।

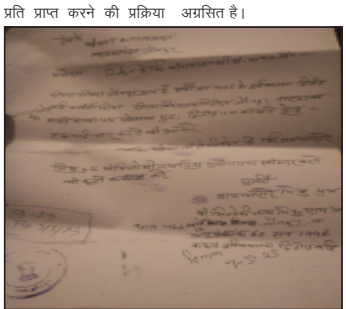

अंकपत्र खोने के संदर्भ में पुलिस को दिया गया सूचना

महराजगंज, जौनपुर जनपद जौनपुर के थाना क्षेत्र महाराजगंज के एक छात्र ने पुलिस को सूचना दिया है कि पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष का अंकपत्र खो गया है।

सरोज मिश्रा पत्रकार दरअसल रामआसरे मिश्र पुत्र त्रिलोकी नाथ मिश्र ग्राम कोबी, गद्दोपुर ने पुलिस को सूचनार्थ एक पत्र दिया है जिसमें उल्लेखित है कि श्रीराम जानकी संस्कृत उ० मा० विद्यालय तियरा, जौनपुर के छात्र रामआसरे मिश्र की पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष का अंकपत्र खो गया है। अंकपत्र की द्वितीय प्रति प्राप्त करने की प्रक्रिया अग्रसित है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के माध्यम से सामाजिक और उत्तम चारित्रिक गुणों का विकास युवा नेता उद्देश्य सिंह

जौनपुर ।रामकिशुन सिंह महाविद्यालय सदिद्कपुर,जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के छठवें दिन शिविर का आयोजनद्ध। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत के सह मंत्री उद्देश्य सिंह रहें। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के माध्यम से छात्रों के सामाजिक और उत्तम चारित्रिक गुणों का विकास होता हैं। शिविर में भाग लेने से छात्रों को ज्ञानवर्धक जानकारी के साथ—साथ अच्छे नागरिक बनाने में सहायता मिलती हैं।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुमित ने कहा की राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के माध्यम से जो ज्ञान और अनुशासन सीखने को मिलता हैं वह जीवनपर्यंत काम आता है। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सिद्धार्थ शंकर सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन मृदुलेष मिश्रा ने किया। इस अवसर पर गौरव सिंह,स्वेच्छा प्रजापति,शरद सिंह, धरमसेन सिंह ,रमेश चन्द्र मालवीय,स्वेता अस्थाना,पूजा सिंह,शिवांगी प्रजापति,काजल यादव,आशुतोष यादव,रिया,प्रिया,रचना पाल,ऋतु यादव व अन्य उपस्थिति रहें।

शिक्षकोत्सव में आर सी वार्ड को प्रथम क्रमांक

मुंबई । बृहन्मुंबई मनपा शिक्षण विभाग द्वारा समय समय पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों में गुणवत्ता बढ़ाने, उनमें अंतर्निहित कौशल्य बढ़ाने एवं गुणवत्ता का विकास करने के उद्देश्य से अनेक उपक्रम किए जाते हैं। इसी क्रम में शिक्षणाधिकारी राजेश कंकाल एवं शिक्षणाधिकारी राजू तडवी की प्रेरणा से मनपा शिक्षण विभाग द्वारा शशिक्षकोत्सवश का भव्य आयोजन किया गया। फाइनल राउंड में इस प्रतियोगिता में नौ वार्ड के शिक्षकों–शिक्षिकाओं ने भाग लिया, जो अण्णा भाऊ साठे नाट्य गृह भायखला में आयोजित हुआ। उपशिक्षणाधिकारी संगीता तेरे मैडम,अध्यक्ष मुख्तार शहा, प्रशासकीय अधिकारी श्रीमती शोभा वडियार, विभाग निरीक्षिका श्रीमती सुनंदा मीरजकर की देखरेख में आर सी वार्ड के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने संगीत शिक्षिका श्रीमती तृप्ति वालावलकर द्वारा लिखित व निर्देशित हृदय स्पर्शी नाटक श्आईश का प्रस्तुतीकरण किया। स्पर्धी नौ वार्ड में आर सी वार्ड ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर समूचे आर सी वार्ड को गौरवान्वित किया। आई नाटक में श्रीमती संगीता वडे,गीता कनवजे, गुरमीत चावला,प्रियम चव्हाण, तृप्ति संखे,रीमा धनु, शालिनी गिरी,अंजला पिंपले,राजश्री सावले, रश्मि पाटिल, कविता माने,सुमती उनियाल,सुप्रिया असोदरीया,कुशल वर्तक, अपर्णा देसाई, रूपाली पवार, वृषाली पाटिल,हर्षदा गावडे, अश्विनी वडे,शीतल संखे,शाहीन शेख,पूनम स्वामी, पुष्प लता गुप्ता,प्रणिता दुमाडा, दत्तात्रय चोरट, सुरेश गायकवाड़, राहुल बाविस्कर और लक्ष्मण खंदारे ने अपने अभिनय से श्रोताओं और निर्णायकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डाली डिसिल्वा,कल्पेश देसाई, विजय मांडवकर, पुरेंद्र देवगिरीकर, नीलांबरी पिल्लई,मीना पांचाल और धनश्री सावे ने भी अहम भूमिका निभाई।

नारायण मानव सेवा समिति द्वारा किया नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन।

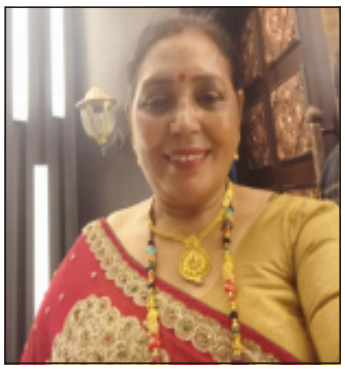

राजस्थान।

नारायण मानव सेवा समिति द्वारा एयरपोर्ट होटल में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। राज्य स्तरीय नारी शक्ति सम्मान समारोह समारोह में राजस्थान से 8 महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान एवं 35 महिलाओं को एक्सीलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया । समारोह की मुख्य अतिथि सौम्या गुर्जर जयपुर महापौर रही। महिलाओं में अलका शर्मा अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद की राष्ट्रीय महामंत्री को नारी शक्ति सम्मान से एवं ,ममता वशिष्ठ डॉ.चंद्रकला शर्मा ,नीलम शर्मा ,मानसी शर्मा, दीप्ति ओझा ,हेमलता शर्मा, निरंजना शर्मा , शारदा शर्मा सुमन शर्मा सुनीता शर्मा व अन्य को एक्सीलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र में नशे के विरुद्ध 205वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

केवल कुरुक्षेत्र में ही 350 से अधिक लोगों को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करा नशा मुक्त कराया– डॉ. वर्मा कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्री अमिताभ सिंह ढिल्लों भा.पु.से. साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज विभिन्न स्थानों पर नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुरुक्षेत्र जिले में ये 204वां और 205वां जागरूकता कार्यक्रम था। ये जागरूकता कार्यक्रम हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा आयोजित किए गए। कुरुक्षेत्र में विभिन्न जिलों से एकत्रित लोगों के एक समूह को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया और उनके विचारों को भी सुना गया। लोगों ने अलग अलग जिलों में नशे के बारे बताया और कहा कि वे इस अभियान में सहयोग करेंगे। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि नशा एक सार्वभौमिक समस्या है और जिसका समाधान भी सभी को एक साथ मिलकर करना होगा। उन्होंने ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 का वर्णन करते हुए कहा कि इस पर कोई भी व्यक्ति निर्भीकता से नशा बेचने वाले लोगों की गुप्त सूचना दे सकता है। उन्होंने बताया कि ब्यूरो द्वारा केवल कुरुक्षेत्र में ही 350 से अधिक लोगों को नशा मुक्ति केंद्र के माध्यम से उपचार कराया है। उपचाराधीन लोगों को निशुल्क भोजन आदि भी उपलब्ध कराया गया और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता की जाती है। इसके पश्चात पिपली कुरुक्षेत्र राजमार्ग पर स्थित जिंदल बासमती इंडिया लिमिटेड में भी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया और गुप्त सूचनाएं देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रबंधक इंद्रदेव पटेल और उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

देवभूमि उत्तराखंड में अपने खानदान के पापों का प्रायश्चित करने निकले ज्योतिरादित्य सिंधिया–उमेश पिडिहा

मध्यप्रदेश आम जनता का कहना है कि अंग्रेजों के प्रति अपनी वफादारी दिखाने के लिए सिंधिया परिवार झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की चढ़ाया था बली जिस भारतीय जनता पार्टी परिवार के सदस्यों द्वारा पानी पी पी के झांसी की रानी की हत्या करवाने का आरोप सिंधिया परिवार पर लगाते थे लेकिन आज वही भारतीय जनता पार्टी परिवार ज्योतिरादित्य सिंधिया को मानता है अपना भगवान जिस तरह कांग्रेस द्वारा आम जनता का शोषण करते हुए आम जनता की साथ अराजकता एवं अपने स्वार्थ सिद्धि पूरा करने के लिए आम जनता का हत्या करवाते हुए अपनी राजनीतिक रोटी सेकी है अब उसी रास्ते पर निकल चुकी है भारतीय जनता पार्टी ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा भगवान के साथ भी धोखा करते हुए आंख में काला चश्मा पहन कर कर रहे हैं गंगा आरती लेकिन भगवान भगवान ऊपर भी है नीचे भी उनके साथ कैसे कोई धोखा कर सकता है।

पैसे के लिए पुत्र ने मां को उतारा मौत के घाट

अंतर्गत पिपराही चौकी के नकवार गांव की घटना मौके पर पहुंची पुलिस

मध्यप्रदेश रीवा(विप्र) हनुमना थाना अंतर्गत पिपराही चौकी के अंतर्गत नकवार गांव में एक युवक ने पैसे को लेकर अपनी मां से झगड़ा कर उसको लाठी डंडा से मारकर मौत के घाट उतार दिया आपको बता दे कि राजवंती सिंह गोड पति नचकऊ सिंह उम्र 70 वर्ष को उसके पुत्र सिद्धराज सिंह पिता नचकऊ सिंह उम्र 25 वर्ष ने पैसे को लेकर वाद विवाद करते हुए लाठी डंडा से मारकर घायल कर दिया जहा उसकी मौके पर ही मौत हो गई वही ग्रामीणों ने जब पुलिस को सूचना दी तो मौके पर हनुमना थाना प्रभारी चेतन मार्शकोले और चौकी प्रभारी प्रज्ञा पटेल और उनके स्टॉप ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शव का पीएम करवा कर परीजनो को सुपुर्द कर दिया है वही पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुट गई है।

सेमरिया विधानसभा के अंतर्गत शुकवार पंचायत में जोरदार फगुआ का चलन चलता जा रहा है

मध्यप्रदेश रीवा सेमरिया सेमरिया विधानसभा के अंतर्गत गांव सुकवार में फगुआ की गायकी जोरदार होती रहती है जबकि आस पास गांव को लेकर देखा जाए तो शुकवार का फगुआ के लिए मशहूर माना जाता है शुकवार गांव में एकत्र होकर फगुवा गायकी की जाती है जबकि फगुआ के लिए लोग बड़े उत्सुक रहते हैं इसी बीच राघवेंद्र पाठक जी यहां जोरदार फगुआ की प्रस्तुति लोगों द्वारा की गई जिसमें मुख्य रुप से श्री राघवेंद्र पाठक राम बहोर पाठक राज बहोर पाठक प्रकाश नारायण पाठक, भगवान दिन पाठक, उमेश पाठक पत्रकार ददौली पाठक मनेद पाठक शेषमणि तिवारी शंभू द्विवेदी दीपक पाठक भोलू पाठक दद्दू मिश्रा, शिवनाथ आदिवासी, राजभान आदिवासी सभी ग्रामवासी भक्त मंडली उपस्थित रहे।

बी एड, एम एड की परीक्षा फीस वृद्धि को वापस लेने, छात्रों ने लगातार दूसरे दिन विश्वविद्यालय पहुंच कर कुलपति को घेरा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय द्वारा बी एड, एम एड की सत्र 2022–23 की वार्षिक परीक्षा फीस मे की गई दुगुनी वृद्धि को लेकर लगातार दूसरे दिन कई सैकड़ा छात्रों ने विश्वविद्यालय पहुंच कर प्रशासनिक भवन के गेट पर धरना दिया। जिसमे विश्वविद्यालय क्षेत्राधिकार अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिनिधि छात्र उपस्थित थे।बाद मे छात्रो ने कुलपति कक्ष मे जाकर कुलपति को ज्ञापन सौंपकर बी एड, एम एड की परीक्षा फीस मे की गई दोगुनी वृद्धि को वापस लेने की माँग की है। छात्रो का कहना है कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार ,एक बार में सौ प्रतिशत से ज्यादा लगभग दो गुना की वृद्धि की गई है , जिसे वापस लिया जाये। छात्रों ने कुलपति को सौंपे आवेदन मे छात्रों का शोषण बन्द करने की माँग की है, साथ ही बढ़ी शुल्क वापस न लेने पर उग्र आंदोलन और परीक्षा फार्म का बहिष्कार करने की बात भी कही गई है। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व भी सैकड़ों की संख्या में छात्र विश्वविद्यालय गये थे , किन्तु कुलपति के भोपाल प्रवास पर होने से छात्र उनके सचिव को ज्ञापन देकर वापस आ गए थे। जिसके बाद आज दूसरे दिन भी कई सैकड़ा छात्रों ने विश्वविद्यालय पहुंच कर बढ़ी हुई परीक्षा फीस वापस लेने की कुलपति से माँग की। छात्रों का कहना है कि एक बार में शुल्क मे सौ प्रतिशत की वृद्धि कर पिछले वर्ष की तुलना मे दुगुनी कर देना छात्रों का शोषण है। जिस पर कुलपति ने शीघ्र विचार कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय ने बी एड, एम एड की परीक्षा फीस मे पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग दोगुना की वृद्धि कर दी है। जहा पिछले वर्ष बी एड प्रथम वर्ष की परीक्षा फीस 2600 रुपये और द्वितीय वर्ष की परीक्षा फीस 3400 रुपये थी, वहीं इस वर्ष दोनों कक्षाओं की परीक्षा फीस मे अप्रत्याशित रूप से सौ गुना से ज्यादा की वृद्धि करते हुए 5400 रुपये शुल्क निर्धारित कर दी है। इस अप्रत्याशित वृद्धि से बी एड, एम एड के छात्र नाराज हैं और आंदोलन की राह पर है। यद्यपि कुलपति ने उन्हें उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।ज्ञापन सौंपने मे प्रमुख रूप से दीपक मिश्रा, नागेंद्र पांडेय ,आशीष शर्मा, संजय सिंह, अंबरीश मिश्रा,सत्येन्द्र सिंह, दिलीप पांडेय, रमेश पांडेय ,पूनम तिवारी,पुनीता सिंह, वंदना अवस्थी ,रविकांत तिवारी, बिन्दु पटेल, प्रदीप तिवारी,शिवम पटेल, श्रीकांत कोल,तारेंदर प्रताप सिंह,अचला तिवारी, अरविंद तिवारी, दिवाकर पांडेय, मयंक शुक्ला, निकिता सिंह, राजेश मिश्रा, सुधांशु गौतम, वैशाली सिंह, वीरेंद्र सिंह, यदुवंश तिवारी, सुप्रिया द्विवेदी, श्वेता पांडेय, संदीपा पांडेय, लाल सिंह, राम बिहारी रावत ,बृजेश सिंह, सत्येन्द्र प्रजापति, दिनेश साकेत, बालेन्द गौतम, सविता धुर्वे,रंजना चौधरी, रविन्द्र मिश्रा,इष्टदेव गौतम, सुमन पांडेय ,विश्राम साकेत, सहित कई सैकड़ा छात्र उपस्थित रहे।

जेल कैदी की संदिग्ध मौत

मध्यप्रदेश रीवा जेल के कैदी राजू शुक्ला पिता ईश्वर दीन शुक्ला निवासी पाली तहसील सिरमौर की संजय गांधी अस्पताल में हुई सन्दिग्ध मौत परिजन का कहना है कि जेल पुलिस द्वारा भर्ती करने की सूचना हमको नही दी गई इनका कहना है कि जेल में कैदी राजू शुक्ला के साथ मारपीट हुई है और वह सुबह के समय हुई है पुलिस द्वारा शव को मरचुरी में रखवा दिया गया है लेकिन आश्चर्य की बात यह कि परिजनों को इसकी सूचना नही दी गई मृतक राजू शुक्ला रीवा जेल में हत्या के प्रयास के मामले में सजा काट रहे थे अब तो पी एम रिपोर्ट आने के बाद ही तय होगा कि मृतक राजू की मौत कैसे हुई लेकिन अभी ये राज बनी हुई है पर्दा उठना अभी बाकी है

दिनदहाड़े गोली मारकर 15 लाख की लूट करने वाले लुटेरे गिरफ्तार

मध्यप्रदेश सतना !बता दे की सतना में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बीते दिनों शराब कंपनी के मुनीम को गोली मारकर 15 लाख रुपए की लूट कर सनसनी मचाने वाले लुटेरों को आखिरकार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार की शाम पूरे मामले का खुलासा किया। पुलिस ने वारदात में शामिल 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि 8 आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।गोली मारकर हुई थी 15 लाख की लूट पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 6 मार्च को दोपहर दो बजे के करीब शहर के सर्किट के सामने बाइक से आए 5 नकाबपोश बदमाशों ने एक शराब कंपनी के मुनीम संजय सिंह को गोली मारकर पैसों से भरा बैग लूट लिया था। शुरुआत में बैग में करीब 22 लाख रुपए होने की बात सामने आई थी लेकिन बाद में पता चला था कि बैग में 15 लाख रुपए थे। इस घटना से शहर में सनसनी फैल गई थी और पुलिस ने तुरंत पूरे शहर की नाकेबंदी कर बदमाशों की तलाश शुर कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस को घटना से जुड़े कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मिले थे जिनमें बदमाश नजर आ रहे थे।सीसीटीवी से मिला सुराग पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग अलग टीमों का गठन किया था जो जगह जगह छापेमारी कर लुटेरों का सुराग लगाने में जुटी हुई थीं। पुलिस ने आरोपियों पर 30 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया था और मुख्य आरोपी का स्कैच भी जारी किया था। वहीं दूसरी तरफ लगातार सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान दो बाइक पर सवार लुटेरों के साथ ही एक ब्लैक फिल्म लगी स्विफ्ट कार भी फुटेज में नजर आई। पुलिस का शक गहराया और जब उस कार को ट्रेस किया गया तो पुलिस के हाथ लुटेरों तक पहुंच गए। कार उत्तरप्रदेश के जिला जौनपुर के पते पर रजिस्टर्ड थी। इसी कार को ट्रेस कर पुलिस लुटेरों तक पहुंची।

रीवा–सीधी गुढ़ मार्ग के गेरुई पेट्रोल पंप के पास हुआ खतरनाक हादसा

गुढ़। रीवा– सीधा गुढ़ मार्ग में आए दिनों एक्सीडेंट की खबर हम सबके सामने सुनते रहते है। सड़क किनारे खड़े ट्रक से युवक का हुआ दुर्घटना बाइक सवार ने मारी टक्कर यह हादसा गेरुई पेट्रोल पंपों गुढ़ रीवा – सीधा मार्ग में हुआ। एक्सीडेंट में युवक को गंभीर चोटें आई हैं।

युवक के द्वारा हेलमेट नहीं पहनने से लगी गंभीर चोट।

यदि हेलमेट पहना होता तो शायद सिर में गंभीर चोटें नहीं आतीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रक रोड के किनारे खड़ा था और दूसरी ओर से युवक तीव्र गति से अपनी मोटरसाइकिल से आ रहा था। मोटर साइकिल चालक युवक ने सड़क के किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मारी जिस वजह से भीषण हादसा हुआ। टक्कर मारने वाला मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि

युवक का नाम रोहित चौरसिया है वह गेरुई का ही रहने वाला है।

गुढ़ पुलिस घटना स्थल पर तुरंत पहुची

घटना के तुरंत बाद ही गुढ़ थाने की पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया और गंभीर रूप से घायल युवक को संजय गांधी अस्पताल के लिए रवाना कर दिया। पुलिस की जांच प्रक्रिया जारी है यह युवक कहां का है।

रीवा सीधी गुढ़ रोड में ऐसी घटनाएं आमतौर पर होती ही रहती हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन आम जनमानस से आग्रह करता है कि वह सभी हेलमेट पहनकर अपने वाहन को चलाएं। यदि इस व्यक्ति ने आज हेलमेट पहना होता तो शायद इसके इतनी गंभीर चोट नहीं आती और यह बहुत ही गंभीर रूप से घायल है।

तथ्यों के अनुसार पता चला है कि बचना मुश्किल है।

फिर भी इसका संजय गांधी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

यदि आप भी ऐसे हादसों से बचना चाहते हैं तो अपनी सुरक्षा का ध्यान आप खुद रखें हेलमेट पहनकर ही अपने वाहन को चलाएं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने दी जनाक्रोश मोर्चा निकालने की चेतावनी

मुंबई। गणपत पाटील नगर वार्ड क्रमांक 1 में कांधल वन विभाग की तरफ से 53–54 नोटिस रद्द करने की मांग को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने जनाक्रोश मोर्चा निकालने की घोषणा की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी , हिंदी प्रकोष्ठ के मुंबई अध्यक्ष मनीष दुबे ने बताया कि गणपत पाटील नगर में पिछले 30 से 35 सालों से लोग रह रहे हैं ,लेकिन सरकार की तरफ से उनको कोई सुख सुविधा नहीं मिली है। इस वजह से उनके पास किसी भी तरह के पुराने सरकारी दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कांडल वन विभाग दिए हुए नोटिस को तुरंत रद्द नहीं करता है तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से प्रचंड जनाक्रोश मोर्चे का आयोजन किया जाएगा।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

सामाजिक और राजनैतिक क्रांति के अग्रदूत थे बहुजन नायक कांशीराम

व मान्यवर कांशीराम साहब के सपनो का भारत बनाने के लिए संकल्पवद्ध है। पदम बहुजन समाज की गैर राजनैतिक जड़ो को मजबूत करने की दिशा में लगा है। उक्त अवसर पर समाजसेवी रामनरेश ने कहा कि मान्यवर साहेब का सम्पूर्ण जीवन सर्वसमाज के पीडित व शोषितों के लिए समर्पित रहा। उनके योगदान को समाज व देश हमेशा याद रखेगा और

बहुजन समाज की गैर राजनैतिक जड़ो को मजबूत करने का लिया संकल्प प्रयागराज 16 मार्च, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के कारवां को बसपा, बामसेफ, डीएस फोर के संस्थापक बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम ने आगे बढ़ाया जिसके बदौलत न केवल उत्तर प्रदेश अपितु सम्पूर्ण भारत वर्ष के विभिन्न प्रदेशों में सभी समुदायों के शोषित, पीड़ित वर्ग के आवाम में सामाजिक और राजनैतिक चेतना में महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तन आया उक्त विचार बहुजन समाज पार्टी प्रयागराज के पूर्व मण्डल सेक्टर और पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) के संस्थापक आईपी रामबृज ने यमुनापार की बारा विधानसभा की ग्रामसभा दौना में बहुजन नायक कांशीराम साहेब के 89वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित जयन्ती समारोह में कही।पदम संस्थापक आईपी रामबृज ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बसपा प्रमुख सुश्री बहन मायावती जी के नेतृत्व में बसपा संस्थापक के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी ने भयमुक्त, कानून का राज्य स्थापित कर उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया साथ ही साथ बहुजन समाज पार्टी निरन्तर बहन मायावती के नेतृत्व में सर्वजन हिताय की नीति अपनाकर डॉ. अम्बेडकर उन्ही की प्रेरणा से शोषित पीड़ित समुदाय के लोगो ने स्वाभिमान व सम्मान से जीने का मकसद हासिल किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कांशीराम जी सिद्धान्तों का अनुकरण करने का संकल्प लिया। जयंती कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अम्बेडकर व कांशीराम साहेब के चित्र पर माल्यर्पण करके की गई। उक्त अवसर पर रामानंद, अमरजीत, रामशंकर, आनंद, फूलचंद, धीरज, श्यामबाबू, पिन्टू, चन्द्र दास, रतन, समीर, विनोद, अनीश, महिमा, रीता, रागनी, सबिता, मंजू, रूबी, शिवानी, रेनू, अंगीता,सिमरन, अनुराधा, प्रिंकी, जिज्ञासा, समीक्षा, पल्लवी, आदि प्रमुख रहे।

जामिया आलिया अरबिया में सालाना जलसा दस्तार बन्दी का आयोजन

झुग्गी झोपड़ी रिपोर्टर इसरार अंसारी 16 मार्च मऊ उत्तर प्रदेश आज जामिया आलिया अरबिया में दस्तारबंदी का आयोजन हुआ सालाना तकसीम असनाद का कार्यक्रम हुआ। जिसकी अध्यक्षता जामिया आलिया के अध्यक्ष इकबाल अहमद चंदेरी ने की। इसमें विद्यार्थियों को सनद दी गयी तथा उन्हें प्रोत्साहित टंते गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ जनाब हाजी वजीर अंसारी साहब थे। श्री शेख असद आजमी मोलवी असलम नदवी , इंजीनियर श्री शहाबुद्दीन साहब , नायब नाजिम श्री मोलवी अहमद साहब , श्री मोलवी नुरुल ऐन साहब , श्री शाहिद जमाल (गुड्डू) , श्री मोलवी अरशद जेया , श्री बलीगुर रहमान रब्बानी साहब मौजूद रहे।मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में विद्यार्थियों को मोटीवेट किया मेहनत से पढ़ने की सलाह दी और इनामात बाटें।

नए विद्युत उपकेंद्र स्थापना हेतु सौपा ज्ञापन

प्रयागराज विधायक प्रतिनिधि अरुण शुक्ला के नेतृत्व में विधायक हर्षवर्धन बाजपेई का ज्ञापन मुख्य अभियंता विद्युत ई विनोद कुमार को मलाक हरहर में एक नए विद्युत उपकेंद्र की स्थापना हेतु सौंपा मुख्य अभियंता ने तुरन्त अधीक्षण अभियंता ई मुकेश बाबू को प्रस्ताव बनाकर कुम्भ मेला में सम्मिलित करने का निर्देश दिया। जिसमें मुख्य रूप से विक्रांत शुक्ला क्षेत्रीय प्रतिनिधि,प्रांशु त्रिपाठी युवा मोर्चा, विकास शुक्ला उपस्थित रहे

दिल्ली में घर के बाहर टहल रही महिला जज के साथ लूट, बैग छीनने के बाद लुटेरों ने दिया धक्का

समाचार पत्र दिल्ली में महिला जज के साथ लूट का मामला सामने आया है. महिला जज अपने बेटे के साथ घर के बाहर टहल रही थीं. बाइक सवार दो लुटेरों ने महिला जज का बैग छीनने के बाद उन्हें धक्का दे दिया. इससे उनके सिर पर भी चोट आई है. पुलिस ने इस मामले में दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है. मामला 6 मार्च का है. महिला जज रात 10 बजे अपने बेटे के साथ गुलाबी बाग के व। फ्लैट्स के बाहर टहल रही थीं. तभी बाइक सवार दो युवक आए और उन्होंने महिला जज रचना तिवारी का बैग छीन लिया और उन्हें धक्का दे दिया. इससे महिला जज सड़क पर गिर गईं, इससे उनके सिर पर चोट आई है. जज के बेटे ने इसके बाद अपने पिता को जानकारी दी. इसके बाद महिला को अस्पताल ले जाया गया. बताया जा रहा है कि जज के बैग में लगभग 8–10 हजार कैश और एटीएम और कुछ डाक्यूमेंट्स भी थे. मामला महिला जज से जुड़ा था, ऐसे में पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की. जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बाइक की पहचान की. इसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची. पुलिस ने इस मामले में दिलशाद और राहुल को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, दिलशाद एक शातिर अपराधी है. उस पर 10 मामले दर्ज हैं. वहीं, राहुल पर अब तक कोई मामला दर्ज नहीं था. पुलिस ने दोनों से एटीएम कार्ड और 4 हजार कैश भी बरामद कर लिया है. पुलिस ने बाइक को भी जब्त कर लिया, जिससे लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था।

हर बूथ करेंगे मजबूत और मोदी जी को प्रधानमंत्री बना कर हैट्रिक लगाएंगे (गणेश केसरवानी)

हमारा बूथ ही हमारी कर्मभूमि है (राजेश केसरवानी) भाजपा का बूथ सशक्तिकरण अभियान का हुआ शुभारंभ शक्ति केंद्रों में राष्ट्रपति जी का अभिभाषण संगोष्ठी एवं होली मिलन का कार्यक्रम का हुआ आयोजन 16 मार्च प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा मुट्ठीगंज मंडल से बूथ सशक्तिकरण अभियान का दरियाबाद रोटरी क्लब पार्क से शुभारंभ करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि हम हर बूथ को मजबूत बनाएंगे और आगामी लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जीता कर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बना कर हैट्रिक लगाएंगे इस अवसर पर भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कहा कि हमारे लिए हमारा बूथ ही हमारी कर्मभूमि है और कर्तव्य पथ पर चलकर अपना बूथ जीतेंगे और चुनाव जीतेंगे और आगे बताया कि प्रयागराज महानगर के शहर उत्तरी विधानसभा के 25 शक्ति केंद्रों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू जी का अभिभाषण संगोष्ठी और होली मिलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल संयोजक अजय अग्रहरी ने किया संचालन शत्रुघ्न जायसवाल ने किया इस अवसर पर राजेश केसरवानी, सचिन मिश्रा,विजय कृष्ण मेहता ,आनंद मिश्रा, शत्रुघ्न जायसवाल, प्रभाकर मिश्रा, नितिन श्रीवास्तव, पद्माकर श्रीवास्तव ,नीरज केसरवानी , लव कुश केसरवानी, शारदा ओझा, प्रतीक मालवीय, नीरज टंडन, जमुना द्विवेदी,अन्नपूर्णा श्रीवास्तव, आशीष अग्रहरी, मुकेश जायसवाल, राजकुमार केसरवानी,एवं मंडल के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

थाना कोरांव पुलिस द्वारा 2 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का इंजन बरामद

दिनांक 16.03.2023 कोरांव।प्रयागराज।पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त यमुनानगर संतोष कुमार मीणा के निर्देश के क्रम में एसीपी मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोरांव धीरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 16 03 2023 समय 09.10 बजे कांशीराम कॉलोनी चमनगंज थाना क्षेत्र कोरांव से अभियुक्तगण 1. फहीम अली पुत्र शमशुलहक निवासी आजाद नगर वार्ड नंबर 7 (हाल पता काशीराम कॉलोनी चमनगंज) थाना कोरांव जनपद प्रयागराज 2. अरमान अली पुत्र अमीर उल्लाह निवासी चमनगंज कांशीराम आवास कॉलोनी चमनगंज कस्बा कोरांव थाना कोरांव जनपद प्रयागराज को मय चोरी के एक अदद इंजन अधखुला (KIRLOSKAR OIL ENGINES LIMITED RAJKOAT INDIA) के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त बरामदगी गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना कोरांव में मु0अ0सं0 97 2023 धारा 380 411 पंजीकृत है । नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त– 1. फहीम अली पुत्र शमशुलहक निवासी आजाद नगर वार्ड नंबर 7 (हाल पता काशीराम कॉलोनी चमनगंज) थाना कोरांव जनपद प्रयागराज उम्र 32 वर्ष 2. अरमान अली पुत्र अमीर उल्लाह निवासी चमनगंज कांशीराम आवास कॉलोनी चमनगंज कस्बा कोरांव थाना कोरांव जनपद प्रयागराज उम्र करीब 45 वर्ष पंजीकृत अभियोग– मु0अ0सं0 97 2023 धारा 380 411 बरामदगी– एक अदद इंजन अधखुला (KIRLOSKAR OIL ENGINES LIMITED RAJKOAT INDIA) गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम– 1. उ0नि0 अवधेश कुमार यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2. का0 चन्द्रशेखर यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 3. का0 मोहन कुमार थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज (अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व लवकुश दुबे।

थाना होलागढ पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 300 पौधे अफीम पोस्ता बरामद

दिनांक 16.03.2023 थाना होलागढ़ पुलिस द्वारा आज दिनांक 16.03.2023 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अहमद अली उर्फ शेरअली पुत्र स्व0 पचकौडी निवासी ग्राम जमुनीपुर थाना होलागढ जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के खेत ग्राम जमुनीपुर से कुल 300 पौधे अफीमध्पोस्ता बरामद किया गया। गिरफ्तारी बरामदगी के सम्बन्ध में थाना होलागढ़ में मु0अ0सं0–54 2023 धारा–08 18(ग) (NDPS Act) पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त अहमद अली उर्फ शेरअली पुत्र स्व0 पचकौडी निवासी ग्राम जमुनीपुर थाना होलागढ जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 64 वर्ष पंजीकृत अभियोग– मु0अ0सं0 54 23 धारा 08 18(ग) (NDPS ACT) थाना होलागढ़, कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी कुल 300 पौधे अफीम पोस्ता गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अमित कुमार सिहं, उ0नि0 सुभाषचन्द्र यादव, उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार वर्मा, का0 करन सिंह, का0 आशुतोष यादव, का0 अखिलेश यादव थाना होलागढ कमिश्नरेट प्रयागराज मीडिया सेल पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज।

कुत्तों ने तीन दिन में एक ही परिवार के दो बच्चों को नोच खाया, तब एक्शन में आई डब्ब की टीम

दिल्ली के वसंत कुंज के सिंधी कैंप में रहे रहे एक ही परिवार को दो बच्चों को अवारा कुत्तों ने नोच डाला. इसके बाद से खौफ का माहौल पसरा हुआ है. लोग दिन–रात पहरा दे रहे हैं, जहां से आवारा कुत्ते आकर कैंप में रहने वाले बच्चों को अपना शिकार बना रहे हैं. फिलहाल, इस दर्दनाक हादसे के बाद डब्ब की नींद टूटी है.वसंत कुंज इलाके में बनी झुग्गियों में डब्ब की कई गाड़ियां पहुंची हैं. साथ ही कुत्तों को पकड़ने वाले एक्सपर्ट भी मौजूद हैं. अब तक 27 आवारा कुत्तों को पकड़ा गया है. इसमें एमसीडी की कुत्तों को पकड़ने वाली टीम और दिल्ली पुलिस देर शाम इलाके में आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चला रही है वहीं, दूसरी तरफ परिवार को यकीन नहीं हो रहा है कि तीन दिनों में उनके घर के दो बच्चों की जान चली गई है. हालांकि, अभी शुरुआती तौर पर पुलिस और आसपास के लोगों के द्वारा यह बताया जा रहा है कि कुत्तों के काटने और नोचने की वजह से इन दोनों बच्चों की मौत हुई है. मगर, अभी भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि आखिरकार बच्चों की मौत किस वजह और किस परिस्थितियों में हुई है. बता दें कि परिवार के दो बच्चों की मौत अलग–अलग तारीख पर हुई है. मगर मौत उसी जंगल में हुई है, जिस जंगल में बच्चे हमेशा शौचालय के लिए जाते थे. इस घटना के बाद से परिवार सदमे में हैं. दरअसल, पहली घटना 10 मार्च को हुई थी, जिसमें सात साल के मासूम आनंद की मौत आवारा कुत्तों के काटने की वजह से हुई थी. वहीं, दूसरी वारदात 12 मार्च की है, जब पांच साल का मासूम आदित्य अपने झुग्गी के बाहर शौच करने के लिए गया था.

जिलाधिकारी ने विद्युत कर्मियों की प्रस्तावित हड़ताल के दृष्टिगत विद्युत व्यवस्था को सुचारू ढंग से बनाये रखने के सम्बंध में बैठक करते हुए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में विद्युत कर्मियों के द्वारा प्रस्तावित हड़ताल के दृष्टिगत विद्युत व्यवस्था को सुचारु ढंग से बनाये रखने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने अस्पतालों सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के सम्बंध में विशेष सर्तकता बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे, इसके लिए सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। उन्होंने वर्कशाप एवं स्टोर पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए कहा है साथ ही साथ सब स्टेशनों पर भी कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने आईटीआई के प्राचार्य को प्रशिक्षकों की सूची मुख्य अभियंता विद्युत को उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी समन्वय बनाते हुए आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कंट्रोल रूम बनाये जाने तथा वहां से ड्यूटी पर लगाये गये कार्मिकों का निरंतर सत्यापन करते रहने के निर्देश दिए है। मुख्य अभियंता के द्वारा बताया गया कि विद्युत विभाग का भी कंट्रोल रूम पहले से ही संचालित है, जिसका नम्बर 0532–2404030 है। उन्होंने कहा है कि कंट्रोल रूम नम्बर पर विद्युत से सम्बंधित समस्याओं के बारे में जानकारी दी जा सकती है। जिलाधिकारी ने सब स्टेशनों पर पुलिस की भी तैनाती सुनिश्चित करने के लिए कहा है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, मुख्य अभियंता तथा अधीक्षक अभियंता विद्युत के अलावा अन्य सम्बंधित अधिकारियों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मासूम बच्चों के सर से उठा पिता का साया

मैथा क्षेत्र के नहरीवां गांव में मान सिंह यादव का पुत्र रूप सिंह जिसकी उम्र 27 वर्ष अपनी मारुति वैन गाड़ी लेकर मकनपुर जा रहे थे

मेजा ऊर्जा निगम लिमिटेड के पांच लाख रूपये से सीएचसी मेजा में लगाया जायेगा हेल्थ एटीएम

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में गुरुवार को संगम सभागार में उ0प्र0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के अन्तर्गत हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 की प्रगति के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों को अपने निवेशकोंध उद्यमियों की समस्याओं को चिन्हित कर त्वरित रूप से उनका निराकरणध्समाधान कराने का प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदूषण, श्रम, विद्युत सुरक्षा, अग्निशमन, भूगर्भ जल, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जीएसटी और फर्म सोसायटी आदि विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग से सम्बंधित अनापत्तिध लाइसेंसध्सहमति को समय पर देने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि अनापत्तिध्लाइसेंसध्सहमति के प्राप्ति हेतु उद्यमियों और निवेशकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। अनापत्ति निर्गत करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या बिना किसी कारण के पत्रावली के लम्बित होने पर सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने 24 विभागों से सम्बंधित 313 एम0ओ0यू0 की वर्तमान स्थिति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बैठक में सम्बंधित अधिकारियों के साथ निवेश हेतु भूमि की उपलब्धता, भू–उपयोग परिवर्तन, मानचित्र अनुमोदन, विद्युत कनेक्शन, सुरक्षा व्यवस्था, वित्तीय सहायता आदि विषयों पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग से 31 अगस्त, 2023 तक कितनी ईकाईयां ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी हेतु तैयार हो जायेगी, की एक सूची तैयार कर एक सप्ताह में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मेजा ऊर्जा निगम लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री केदारनाथ पाण्डु द्वारा जिलाधिकारी को सीएचसी मेजा में मेजा ऊर्जा निगम लिमिटेड के सहयोग से हेल्थ एटीएम लगाये जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को पांच लाख रू0 धनराशि का डेमो चेक भी दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग श्री लालजीत सिंह सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

फलों की राजा राष्ट्रीय फल आम

भारतीय उपमहाद्वीप में कई हजार वर्ष पूर्व आम के बारे में लोगों को पता चल गया था। और आमों के पेड़ लगाए जाने लगे थे, चौथी से पाँचवीं शताब्दी पूर्व ही यहएशिया के दक्षिण पूर्व तक पहुँच गया। आम खून बढ़ाता है और पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है।दिलचस्प बात यह है कि गर्मियों का फल होने के बावजूद यह गर्मियों में होने वाली बीमारियों से हमारी हिफाजत करता है। कैसी यानी कच्चे आम यकी सब्जी का इस्तेमाल भी लोग अच्छे तरीके से करते हैं. कैरी की सिरप ली से बचाता है। जिसे हम पना भी कहते हैं, साथ ही इसके बेमिसाल स्वाद से कौन परिचित नहीं है. स्वादिष्ट और कुरकुरे अचार महिलाओं द्वारा घरों में व्यापक रूप से बनाए जाते हैं और जार में रखे जाते हैं और इस भोजन के साथ प्रयोग किए जाते हैं। और आम का अधिक से अधिक सेवन व्यक्ति को बढ़ती उम्र से बचाता है। अस्थमा से बचाव करता है। कैंसर को रोकने में मदद करता है। यह हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है।यह पाचन तंत्र के लिए उपयोगी है। यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी है। यह हृदय स्वास्थ्य और संक्रमण के खिलाफ भी प्रभावी है। आम का अधिक से अधिक सेवन मानव को वृद्ध होने से रोकता है। कैंसर को रोकने में मदद करता है। हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी, पाचन तंत्र के लिए आवश्यक। यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी है। यह हृदय स्वास्थ्य और संक्रमण के खिलाफ भी प्रभावी है। इस प्रकार अनेक कवियों ने भी अपनी कविताओं में आम का उल्लेख किया है ।आम का पौधा वास्तव में छह महीने या एक साल में नहीं बल्कि लगभग पांच साल बाद फल देने लगता है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इन पांच सालों में इस प्लांट को कितना मेंटेनेंस करना होगा। लेकिन इस सब्र का फल बहुत मीठा होता है। देई, कतर, अबू धाबी, कुवैत, आन और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों में हमारे भारतीय आमों की काफी मांग है। जब आमों में मोर घ्छआते हैं तो ये निर्यातक और आयातक आम के बागों के मालिकों से संपर्क कर प्रति एकड़ लाखों रुपए अग्रिम देते हैं, इस प्रकार आम भी नकदी फसल है।। क्योंकि भारा मात्रा में विदेशों को भेजा जाता है। इसलिए, इसकी मानक पैकेजिंग की जाती है, आम संस्कृत शब्द आम वास्तव में संस्कृत शब्द आम्र से लिया गया है। साहित्य में इसका उल्लेख तानाशाह के नाम से मिलता है और यह 4000 वर्षों से अस्तित्व में है। अंग्रेजी में मैंगो भारतीय तमिल शब्द मंगई से आया है । पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी के बीच, स्पेनिश जहाज फिलीपींस से मेक्सिको में आम की गुठली लाते थे। इस प्रकार, मनीला से लेकर फ्लोरिडा और वेस्ट इंडीज तक प्रशांत क्षेत्र में हर स्पेनिश उपनिवेश में आम आम हो गए, और फिर। अटलांटिक महासागर को पार करते हुए यह स्पेन (ग्रेनेडा और कैनरी द्वीप समूह) और पुर्तगाल तक पहुँच गया। मालाबार के तट से आम का पौधा पुर्तगाली और अरब जहाजों में पूर्वी अफ्रीका पहुंचा। इब्न बतूता ने सोमालिया के मोगादिशु में आम (आम का पुर्तगाली नाम) खाने का आनंद लिया और इसका उल्लेख किया। हिंदू धर्म में पत्ते से लेकर छांव तक हर चरण में आम का महत्व है। आम के पेड़ का उल्लेख कई जगहों पर कल्पवृक्ष यानी हर मनोकामना को पूरा करने वाले पेड़ के रूप में किया गया है।इस पेड़ की छाया के अलावा कई धार्मिक मान्यताएं इसके साथ जुड़ी हुई हैं जैसे राधाकृष्ण का नृत्य, शिव और पार्वती का विवाह आदि। भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को भी आम बहुत पसंद थे और उन्होंने आम पर एक कविता भी लिखी थी। गालिब और आम उर्दू के महान शायर गालिब के आम के आकर्षण से कौन परिचित नहीं है। पुरानी कथाओं के मुताबिक , पहला आम का पेड़ इंडो बर्मा रीजन में करीब एक हजार साल पहले उगा था ।एक चीनी यात्री सिएन – त्सांग 632 एडी में जब पहली बार भारत आया था , तब उसने आम (संस्कृत में आम्र) के बारे में पूरी दुनिया को बताया था । इतना ही नहीं , मुगल बादशाह अकबर ने दरबंघा के बगीचे में करीब एक लाख आम के पेड़ लगवाये थे , जिसका जिक्र श आईना ए – ए अकबरी श (1590) में भी है । अलाउद्दीन खिलजी आम के पहले खरीदार थे और सिवामा किले में उनके द्वारा आयोजित की गई आम की भव्य दावत काफी प्रसिद्ध हुई । इस दावत के मेन्यु में केवल आम से बने तरह – तरह के व्यंजन थे । इतना ही नहीं , मुगल बादशाह बहादुर शाहजफर भी आम के दीवाने थे और उन्होंने दिल्ली के लाल किले के अंदर आम के कई पौधे लगना थे ।महात्मा कालिदास जी ने इसका गुणगान किया है, सिकंदर ने इसे सराहा और मुगल सम्राट अकबर ने दरभंगा में इसके एक लाख पौधे लगाए। उस बाग को आज भी लाखी बाग के नाम से जाना जाता है। वेदों में आम को विलास का प्रतीक कहा गया है। कविताओं में इसका जिक्र हुआ और कलाकारों ने इसे अपने कैनवास पर उतारा। भारत में गर्मियों के आरंभ से ही आम पकने का इंतजार होने लगता है। आँकड़ों के मुताबिक इस समय भारत में प्रतिवर्ष एक करोड़ टन आम पैदा होता है जो दुनिया के कुल उत्पादन का ५२ प्रतिशत है। आम भारत का राष्ट्रीय फल भी है।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज हरदा।

अंधेर नगरी लघुकथा

धर्म चंद ने ज्ञानचंद से कहा यार सरकार ने इस बार कृषि विभाग के दफ्तर में गेहूं का जो बीज बिक्री के लिए भेजा है बहुत अच्छा भी है और सस्ता भी। सरकार सब्सिडी इतनी दे रही है कि बाजार के मूल्य से आधे से भी कम है।

मुझे अस्सी किलो बीज चाहिए था परंतु चालीस ही मिला। कृषि अधिकारी बोल रहा था, खत्म हो गया है और मंगवा रहे हैं ।परंतु पता नहीं अब कब आएगा तब तक फसल का समय भी निकल जाएगा। धर्म चंद ने उदास होते हुए कहा ।

ज्ञानचंद ने मुंह बनाते हुए कहा,ष्यार मैंने यह फायदा तो पहले ही उठा लिया है पूरे अस्सी किलो ले आया हूं ।ष्ध र्म चंद ने कहा, तुम्हें इतना बीज कृषि अधिकारी ने कैसे दे दिया, तुम्हारी तो इतनी जमीन भी नहीं है तुम इतना बीज क्या करोगे?

यह सुनकर ज्ञानचंद तपाक से बोला ,ष्यार कृषि अधिकारी भी अपना यार बेली है ,दे दिया तो ले लिया ।इस गेहूं को ध ोकर सुखाऊंगा और पिसवा कर आटा बनाऊंगा ,बाजार से आधे रेट पर बढ़िया गेहूं का आटा। कहते–कहते उसके चेहरे पर ऐसे भाव उभर आए थे मानो उसने कोई मोर्चा फतह कर लिया हो।

अशोक दर्द डलहौजी चंबा हिमाचल प्रदेश।

गुरू शिष्य से पिता पुत्र से हारकर भी जीत जाते है

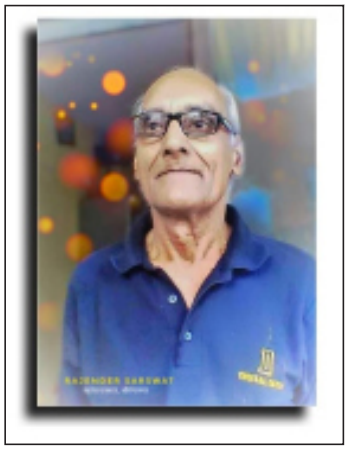

राजेन्द्र सारस्वत पिता पुत्र से हारकर पर भी जीतता है। और गुरु शिष्य से पराजित होकर भी विजयी होता है। आदि शंकराचार्य का उक्त कथन कितने मायने रखता है। चलिए इस गंभीर विषय पर थोड़ा विमर्श करते हैं। पिता और गुरु की सदैव यह आकांक्षा रहती है कि हमारे पुत्र और शिष्य हमसे आगे बढ़ें। अपने अपने क्षेत्र में खूब परिश्रम करें और अवसर आ जाए तो उन्नति में उन्हें मात दें। तभी संसार में पिता और गुरु का यश और ख्याति बढ़ती हैं। मतलब कि इनकी पराजय में भी विजय निहित है। जगत में जिन– जिन गुरूओं के शिष्य और जिन पिताओं के पुत्र अपने गुरु और पिता से आगे बढे। उनको संसार में अतिरिक्त सम्मान मिला है। हालांकि गुरु से शिष्य और पिता से पुत्र कभी भी विजय की इच्छा नहीं रखते। मगर गुरु और पिता सदैव हारने की कामना ही रखते आए हैं। यह दुनिया की अनोखी रीति है। आज की नहीं सदा की।इसी संदर्भ को लक्ष्य में रखकर आज थोड़ा महाभारत में प्रवेश करने की इच्छा है. आएं गुरु– शिष्य और बुजुर्गों के एक बहुत ही रोचक और प्रेरक प्रसंग का स्मरण करते हैं.हस्तिनापुर में श्रीकृष्ण ने अथक प्रयत्न किया। बावजूद इसके वो संधि असफल रही। दुर्बुद्धि दुर्योधन जगतनियंता श्रीकृष्ण को बंदी तक बनाने का षडयंत्र रचता है। सब तरह के विकल्प समाप्त हुए। अब तो युद्ध अवश्यंभावी हो गया। कुरुक्षेत्र के रण में महाभारत के युद्ध का बिगुल बज गया। जबरदस्त तैयारियों के मध्य कौरव और पाण्डव दोनों पक्षों की सैनाएं हर भांति के अस्त्र– शस्त्रों से सुसज्जित होकर मैदान में आ डटी। चारों ओर जिधर भी दृष्टि जाए सैनिकों और योद्धाओं की रेलम–पेल। घोड़ों की हिनहिनाहट और हाथियों के चिंघाड़ने के कोलाहल से आकाश गूंज रहा है। युद्ध की घड़ियाँ निकट आ रही थी। दोनों ओर के रथी, महारथी और अधिरथी लडने के लिए अधीर हो रहे थे। युद्ध के लिए उनकी शिराओं में रक्त उबाल खा रहा था। दोनों ही ओर के योद्धाओं ने अपने अपने शंख फूंककर धरती ही नहीं आकाश तक गुंजा दिया।

युद्ध की विभीषिका के भीषण क्षणों के मध्य ही एक अनपेक्षित और अद्भुत घटना घट गई। जिसने प्रमाणित कर दिया कि युद्धांगण में भी शस्त्रों की ध्वनि के मध्य भी शास्त्र का स्वर अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पाण्डवों और कौरवों की सैनाएं आमने– सामने. लग रहा है कि कभी भी युद्ध का बिगुल बज सकता है। और एक दूसरे के शत्रुओं के शस्त्र परस्पर विरोधी के रक्त से स्नान को निकल सकते हैं। यह वह क्षण था जबकि लग रहा था कि इस रणक्षेत्र में सबका एक ही लक्ष्य रह गया है कि सामने वाले पक्ष के हर व्यक्ति को किस भांति रण के मैदान में भूलुंठित किया जाय।तभी वह अनोखी घटना घटी। सबने देखा– धर्मराज युधिष्ठिर अपने रथ से नीचे उतर आए। उन्होंने अपने सभी अस्त्र–शस्त्र रथ में छोड़ दिये। वे निहत्थे पैदल ही कोरवों की सैना की ओर बढ़ चले। भीम ने अर्जुन और अर्जुन ने श्रीकृष्ण पर प्रश्नवाचक दृष्टि डाली। मानो पूछ रहे हैं यह भैया क्या करने जा रहे हैं! नकुल– सहदेव भी चिंतित, सबके मनो में हाहाकार। युद्धिष्ठिर शत्रुओं की ओर धीमी गति से बढ़ रहें हैं। मगर कौरव भाईयों के मनों में किसी अनिष्ट की आशंका से भूचाल सा मचा है। उधर दुर्योधन एवं अंगराज कर्ण के मन विचलित। धर्मराज यह कौन सी रणनीति अपना रहे हैं। उन षडयंत्रकारियों को ध र्मराज के इस कदम में भी किसी गंभीर षडयंत्र की दुर्गंध आ रही थी। मगर, सब कुछ जानने वाले श्री कृष्ण मंद–मंद रहस्यमयी मुस्कान के साथ अर्जुन को सांत्वना देते हैं कि–'' धनंजय देखते जाओ अपने भैया का कमाल. ''और उधर धर्मराज दुर्योधन सैना के समक्ष पहुंचे। उन्होंने पांवों की जूतियां उतारी, गुरु द्रोणाचार्य व भीष्म के समक्ष पहुंचे। कौरव और पाण्डव दोनों पक्षों के लिए असमंजस की घड़ी। तभी धर्मराज युद्ध–भूमि में रेत पर घुटने टेक कर बैठ गए। उन्होंने पहले गुरु द्रोणाचार्य और फिर भीष्म पितामह को नतमस्तक होकर प्रणाम किया। बहुत ही आदर के साथ उनके चरणों को स्पर्श किया। कौरवों और पांडवों को अभी भी नहीं सूझ रहा था कि धर्मराज यह कौनसा खेल रचा रहे हैं। तब अत्यंत ही विनम्र भाव से धर्मराज बोले– '' आचार्यवर गुरु द्रोण, पितामह भीष्म मैं युद्ध से पूर्व अपने गुरु एवं पितामह से युद्ध भूमि में उतरने की अनुमति तथा आपसे आशीर्वाद लेने के लिए उपस्थित हुआ हूं। और कहते हैं कि गुरु द्रोणाचार्य और पितामह भीष्म से कुछ कहते नहीं बना। कारण कि गुरु द्रोण, भीष्म, कर्ण, कृपाचार्य, शकुनि और शल्य सभी अर्थ के गुलाम और दुर्योधन के ऋणि थे। सत्य से उनका दूर दूर का वास्ता नहीं था। जबकि युद्धिष्ठिर तो स्वयं ध र्म के अवतार थे। मानो गुरु और पितामह की छाती पत्थर की हो गई हो। दोनों के पाषाण हृदय में से ही ध्वनि निकल रही थी कि– ''जाओ पुत्र तुम्हें किसी आशीर्वाद या अनुमति की आवश्यकता ही नहीं है. ।'' जिसने अपने गुरु और अपने बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त कर लिया है। उसकी विजय तो हो चुकी है। अब तो युद्ध मात्र एक औपचारिकता भर ही है। इसी भांति हर पिता के मन में एक ही भावना रहती है कि उनका पुत्र उनसे आगे निकले। नीति शास्त्र कहते हैं कि एक योग्य संतान वो होती है जो अपने पिता के नाम, काम, सम्पत्ति और उनके सिद्धातों को आगे बढाए। लोग कहें यह फलां व्यक्ति की संतान है। जिसने अपने पिता के नाम को आगे बढाया है। इस तरह एक पिता अपने पुत्र से हारने के बावजूद जीत जाता है। यही नियम कहता है कि एक गुरु अवसर आने पर अपने शिष्य से पराजित होकर भी विजयी होता है।

विज्ञापन मदद गार या सिर दर्द

(आलेख) बड़ा ही शानदार और समसामयिक विषय है और इस पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। जिस प्रकार एक सिक्के के दो पहलू होते हैं ठीक उसी प्रकार सभी वस्तुओं , विचारों और चीजों के दो पहलू होते हैं और यह हमारे ऊपर निर्भर होता है कि हम अपनी दिनचर्या में किस बात को कितना और किस तरह से ग्रहण करते हैं और अब जब बात आती है विज्ञापन की तो विज्ञापन तो हमेशा से वैश्वीकरण का एक अभिन्न अंग रहा है चाहे उसका स्वरूप कुछ भी रहा हो पर विज्ञापन सदैव हुआ है ।

पहले भी हम देखते थे कि लोग स्पीकर और बैनर,होर्डिंग आदि के माध्यम से जोर शोर के साथ अपनी वस्तुओं की गुणवत्ता बता कर ग्राहकों को लुभाने का प्रयास करते थे और आज उसी का थोड़ा निखरा हुआ स्वरूप सामने आ रहा है जब इंटरनेट के द्वारा विज्ञापन किए और दिए जा रहे हैं ..

तो ये तो हुई विज्ञापन की बात पर हमारा विषय है कि हमें इनकी कितनी आवश्यकता है तो चलिए हम दो बिंदुओं पर इस विषय में भी अपनी बात रखते है..

पहला बिंदु है कि विज्ञापन मदद गार है हमारे भौतिक जीवन में हमें भांति भांति की चीजों की आवश्यकता होती है और जिसमें प्रतिदिन नवीनी करण होता रहता है जिनकी जानकारी हमें कभी होती है और कभी नही क्योंकि आज सभी उत्पादक कंपनियों अपने अपने ब्रांड निकालती हैं और चीजों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए निरंतर निखार लाने का प्रयास करती हैं तो ऐसे में हमें उन नए उत्पादों की जानकारी विज्ञापन के द्वारा ही होती है और इस प्रकार हम नई नई वस्तुओं , नई चीजों , नई तकनीक से जुड़ते जाते हैं जो हमारे लिए उपयोगी और रुचिकर भी होती है.अब आता है दूसरा बिंदु क्या विज्ञापन सिर दर्द है

कोई भी चीज जब अति की सीमा पार कर देती है तो उसका प्रभाव नकारात्मक होने लगता है और यही बात विज्ञापन के संदर्भ में भी है ।

यह बात भी दो तरीके से समझी जा सकती है

क कभी कभी विज्ञापन के चकाचौंध प्रभाव के कारण अनावश्यक वस्तुएं घर में आ जाती है जो बाद में वाकई में सिर दर्द हो जाती हैं

और ख विज्ञापन में ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह के प्रलोभन दिए जाते हैं जैसे कि एक में एक फ्री या त्योहारों में विशेष छूट आदि आदि

तो ऐसे समय में की गई खरीददारी कभी कभी सचमुच में सिरदर्द हो जाती है क्योंकि कोई भी विक्रेता घाटे का सौदा नहीं करेगा या तो उसका माल पुराना है या चलन से बाहर है या उसकी गुणवत्ता में कोई कमी है जो हम समझ नही पा रहे पर यह तय है कि बाजार मूल्य से कम में मिली वस्तु में कोई न कोई खोट अवश्य है जो बाद में हमारा सिरदर्द ही बनने वाली है . अंततः विज्ञापन लाभकारी भी है और हानिकारक भी ।यह निर्भर है हमारे ऊपर कि हम विज्ञापन से कितने आकर्षित होते हैं और अपनी जरूरत को बिना समझे हम अपने घर में कितनी वस्तुओं का अंबार लगा लेते हैं.धन्यवाद

ममता श्रवण अग्रवाल
साहित्यकार सतना
8319087003।

लघु कथा

मंगली डॉ रामशंकर चंचल अपने परिवार के पेट की आग को शांत करने के लिए प्रति बर्ष गर्मी में सोमला शहर की खाक छानता । इस बार वह अपनी पत्नी को लेकर कम पर चला गया था। दोनों बच्चों को गांव में मां के पास छोड़ गया था। सोमला की पत्नी बहुत सुंदर थी। दो बच्चो को जन्म देने के बावजूद एकदम जवान और खूबसूरत ।एक बार भी देखने वाला थोड़ी देर टकटकी लगा उसे निहारने लग जाता ।काम के समय हाजरी लेने वाला बाबू प्रायः मंगली को धूरा करता ।मंगली का नाम आते ही उसके चेहरे पर मुस्कान आ जाती वह हाजरी लेते समय प्रायः उससे व्यर्थ बाते करता ।उसकी डग मगाती नियत से मंगली और सोमाल तो परिचित थे ही अन्य मजदूरों की भी एहसास था

पहले तो मंगली हंसकर आदर से बोलती थी लेकिन जब उसे पूरा एहसास हो गया बाबू की नियत का तो वह नीची नजरे कर दो टूक बात करती

इधर बाबू मंगली के आसपास ही मंडराता ।काम में व्यस्त मंगली के जिस्म को और चेहरे को भूखे भेड़िए की तरह ताकता रहता ।एक दिन उसने हिम्मत कर मंगली का हाथ पकड़ लिया ।मंगली ने झटक कर हाथ छुड़ाया और घबराई सी पीछे हट गई । वह जानती थी अगर वह जोर से चिल्लाई तो उसके साथी मजदूर इस बाबू को मार डालेंगे ,तब क्या होगा ,इसकी बीवी और बच्चो का ।समझदार मंगली अब वहां नहीं रही, उसने सोमला से बाबू के बारे में कुछ न बताया, और बच्चो की याद का बहाना कर , वापस अपने गांव लौट आई गांव आकार मंगली सोचने लगी,क्यों बनाया भगवान ने उसे इतना खूबसूरत । वह करे तो क्या करे ।क्या मुंह पर तेजाब डाल मुंह जला दे या सारे जिस्म पर तेजाब डाल यह यौवन ही जला डाले जो उसके पति और उसके लिए एक समस्या बन गया ।तभी उसका पांच वर्षीय पुत्र रतन आया और मंगली से लिपट उसके बारे में गालों से खेलने लगा ।मंगली सब कुछ भूल मुस्कुराने लगी डॉ रामशंकर चंचल झाबुआ मध्य प्रदेश।

श्रीमती सरिता पांडे सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर

मध्यप्रदेश रीवा! सिरमौर विधानसभा के अंर्तत आम आदमी पार्टी के नेता सरिता पांडे द्वारा सिरमौर विधानसभा के ग्राम पंचायत अतरैला के प्राथमिक पाठशाला पहुंचकर सरिता पांडे द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरण किए गए एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई आम आदमी पार्टी की नेता सरिता पांडे द्वारा कई गांवों का भ्रमण किया गया एवं जनसंपर्क अभियान गांव गांव किया गया और कई समाजसेवी लोगों से भेंट मुलाकात की गई।

1229 बच्चों को आवंटित हुए विद्यालय

मिर्जापुर। जिले के निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट के राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र में लाटरी निकाली गई। प्रथम चरण में 1229 बच्चों को प्रवेश के लिए विद्यालय आवंटित किए गए। प्रथम चरण में निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए 6369 ऑवेदन ऑनलाइन आए थे। इसमें से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षाधिकारियों द्वारा 3335 ऑवेदन विभिन्न कारणों से निरस्त कर दिए गए थे। लाटरी में 3034 ऑवेदन पत्र शामिल किए गए थे। इनमें से 1229 बच्चों को प्रवेश के लिए विद्यालय आवंटित किए गए।लाटरी निकालने के लिए गठित समिति में उप जिलाधिकारी सिद्धार्थ कुमार, सामुदायिक सहभागिता के जिला समन्वयक नीरज सिंह, अरशद अली, जिला समाज कल्याण अधिकारी व अन्य लोग शामिल थे। निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 28 फरवरी तक लगभग 6389 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए थे। इस बीच 10 मार्च तक इनका जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सत्यापन होना था और लाटरी के लिए 14 मार्च की तिथि निर्धारित थी। निरूशुल्क एवं बाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम–2009 के तहत निजी विद्यालयों के प्री प्राइमरी की कुल सीटों की तुलना में 25 प्रतिशत पर प्रवेश वंचित समूह के बच्चों को दिए जाने की व्यवस्था है। एक अप्रैल से शुरू हो रहे नये शिक्षा सत्र के लिए यह प्रवेश होगा। निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को जिलास्तरीय प्रवेश समिति के समक्ष लाटरी सिस्टम में शामिल किया गया। लाटरी प्रक्रिया में सफल बच्चों का प्रवेश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से जिले के विभिन्न निजी व अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कराया जाएगा।

जल निगम के अधिशासी अभियंता निलंबित

मिर्जापुर। हर घर नल योजना में लापरवाही मंगलवार को संबंधित अधिकारियों को भारी पड़ गई। योजनाओं में हुई प्रगति का निरीक्षण कर जायजा लेने पहुंचे पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मंगलवार को बड़ी करवाई की। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही से नाराज प्रमुख सचिव ने जल निगम के अधिशासी अभियंता संदीप सिंह को निलंबित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने जागरूकता अभियान में लापरवाही और निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद नहीं रहने पर जिले में कार्य कर रही सभी पांच एजेंसियों का अनुबंध समाप्त कर दिया।निरीक्षण के दौरान गांव में पानी की जांच के सवाल पर भी अधिकारी कुछ जानकारी नहीं दे सके। आशंका जताई जा रही है कि मिर्जापुर में हर घर नल योजना के तहत चल रहे कार्यों के औचक निरीक्षण में मिली कमियों की गाज मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता पर भी गिर सकती है। गांवों में घरों तक पाइप लाइन नहीं पहुंचाए जाने से प्रमुख सचिव काफी नाराज हुए।प्रमुख सचिव ने अहुंगी कला ग्राम समूह पेयजल योजना के निरीक्षण की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने ग्राम प्रधान और ग्रामीणों से बात कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। जल जागरूकता अभियान में भी लापरवाही की शिकायत मिली। धौहा ग्राम समूह पेयजल योजना के जल शोधन संयंत्र को भी उन्होंने देखा। साथ ही गांव में हुए कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया। ग्राम प्रधान और ग्रामीणों से बात भी की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक योजना में पानी के परीक्षण के लिए प्रयोगशाला को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया। कहा कि प्रत्येक प्रोजेक्ट की साइट पर एक मैप लगाया जाना चाहिए, ताकि गांव–गांव किसी तरह से जलापूर्ति की व्यवस्था है, उसकी जानकारी हो सके। मैप में जल शोधन संयंत्र, टयूबवेल व पेजयल वितरण में लगे संसाधनों का पूरा ब्योरा हो शामिल होना चाहिए, ताकि जन सामान्य भी आसानी से योजना की पूरी जानकारी ले सकें। योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से जिले की सभी नौ ग्राम समूह पेयजल योजनाओं में हुई प्रगति की जानकारी ली। प्रगति जानने के साथ ही जिन घरों में जलापूर्ति के लिए अब तक कनेक्शन नहीं हो पाए हैं, उसके लिए उन्होंने लक्ष्य भी निर्धारित किया। उन्होंने अब तक हुए कनेक्शन पर संतोष जताया। साथ ही अधिकारियों को योजना में विलंब होने पर कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने की चेतावनी भी दी। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी से योजनाओं के तहत प्रस्तावित कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया।

महिलाओं का कमाल, हर क्षेत्र में धमाल

स्नेह निर्झर मंच पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अनुपम गोष्ठी का आयोजन।

स्नेह निर्झर मंच पर 8 मार्च 2023 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण पर वैचारिक गोष्ठी सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मधुर स्वर की स्वामिनी आ. शकुंतला सरूपरिया जी ने माँ सरस्वती के मधुर स्वर में आह्वान करके किया, उसके पश्चात अध्यक्ष महोदया आ. मधु अरोरा जी की अनुमति से कार्यक्रम का आरम्भ हुआ। क्या सुखद संयोग था कि 8 मार्च को होली भी थी।सभी नारी शक्तियाँ आत्मविश्वास के रंग से रंगी हुई थीं।

संचालिका स्नेहलता पाण्डेय श्स्नेहश और विभिन्न क्षेत्रों की अनुभवी महिला शक्तियों ने डिजिटल प्रांगण में आपसी बातचीत द्वारा समाज में महिलाओं की स्थिति कैसी है,पहले की अपेक्षा उनकी स्थिति में कितना सुधार हुआ है, आज महिलाएं अपने बारे में क्या सोचती हैं, ग्रामीण और शहरी महिलाओं के दृष्टिकोण में क्या अंतर है, सरकार द्वारा निर्मित योजनाओं का महिलाओं को कितना लाभ मिल रहा है, दहेज प्रथा का हमारे समाज में क्या रूप है इत्यादि, इन विषयों पर गहन चर्चा की।

चर्चा में आ. इंदिरा गुप्ता यथार्थ , आ. शकुंतला सरूपरिया, आ. सीमा कौशल, आ. मंच अध्यक्ष विनीता सिंह सम्मिलित थीं। इन्होने नारी सशक्तिकरण और नारी की महिमा में सुंदर–सुंदर कविताएं भी सुनाई।

आ. स्नेहलता पाण्डेय ष्नेहष जी ने उत्कृष्ट संचालन का परिचय दिया। हर प्रतिभागी को ध्यान में रखते हुए उन्हें चुनिंदा पंक्तियों से मंच पर आमंत्रित करना उनके काव्य कौशल को दर्शाता है। बहुत बारीकी से उन्होंने सभी प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे जो समाज में महिलाओं की हर स्तिथि को रेखांकित कर रहे थे।

तदुपरान्त अध्यक्ष महोदया ने सुंदर अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया और सभी अतिथियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। पश्चात् मंच के सह संयोजक आ. रवि गोयल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और नारी शीर्षक पर एक बहुत ही भावपूर्ण रचना सुनाई। एक पुरुष भी नारी के प्रति श्रेष्ठ विचार रख सकता है वास्तव में यह बात प्रशंसा के योग्य है। काश! समाज का प्रत्येक पुरुष नरियों के प्रति रवि गोयल जी जैसी सोच रख सकता।इस तरह 8 मार्च 2023 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को स्नेह काव्य निर्झर मंच द्वारा बहुत ही प्रभाव शाली तरीके से मनाया गया और एक सफल गोष्ठी सम्पन्न हुई।

हिन्दी साहित्य भारती में गूंजे कवियों के स्वर

चंडीगढ। हिन्दी साहित्य भारती, चंडीगढ साहित्यिक संस्था ने टी. एस सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी सेक्टर 17 के सौजन्य से विशाल कवि संगोष्ठी का आयोजन करवाया। हिंदी साहित्य भारती चंडीगढ़ के अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार द्विवेदी ने सभी माननीय अतिथियों कवियों और श्रोताओं का स्वागत किया तथा हिंदी साहित्य भारती का धेय गीत सुनायादृ

’ हम हिंदी साहित्य भारती के साधक,

जग जननी भारत माता के आराधक।

सारस्वत संस्कृति का सरस विधान करें,

विश्व गगन में हिंदी का जय गान करें’।।

सनातन चिंतन धारा को लेकर भारतीय संस्कृति की पुनरदृ प्रतिष्ठा, हिंदी भाषा एवं साहित्य के उत्थान का संकल्प लेकर युवाओं में साहित्य, संस्कृति ,कला के प्रति सृजन चेतना जगाने के लिए हिंदी साहित्य भारती का गठन किया गया है। इस समय पूरे विश्व में 35 देशों में इस संस्था का प्रचार प्रसार है ।

संगोष्ठी में कवियों ने भारतीय संस्कृति, मूल्य, परम्परा , देशप्रेम, हास्य व्यंग एवम् बसंतोत्सव की श्रृंगारिक रचनाओं से समा बांधा । कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर संजय कौशिक ने कहा कि विज्ञान और वाणिज्य जीवन की सुख– सुविधा के लिए संसाधन उपलब्ध कराते है परन्तु साहित्य और कला आत्मा को स्वर और मानवता को वाणी देती है।इसी लिए आज भी सूर, तुसली, कबीर, नानक, प्रसाद, पंत और निराला की कविता आज भी पढ़ी जा रही है। मुख्य अतिथि के रूप हिमांचल विश्विद्यालय से पधारे डॉक्टर पान सिंह ने कहा कि युवाओं को व्यंग और अश्लील कविताओं की अपेक्षा साहित्यिक और मूल्य परक रचनाएं लिखनी चाहिए जिस से समाज को नई प्रेरणा व दिशा मिले। भारतीय शिक्षण मंडल से डॉक्टर नितेश जी ने मैथली शरण गुप्त की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहा

ष केवल मनोरंजन ही न, कवि का कर्म होना चाहिए।

उसमें उचित उपदेश का भी,

मर्म होना चाहिएष, अर्थात् कवि समाज का प्रतिमान है, उसे समाज के प्रति अपनी उत्तरदायित्व का निर्वाह करना चाहिए। कवयित्री अन्नुरानी शर्मा ने अपनी कविता ष्उम्मीदष के माध्यम से सुनाया ष हां मैं बस उम्मीद लिखूंगी, हर बाधा पर जीत लिखूंगीष। डॉ० अश्वनि शांडिल्य ने मां की गरीमा को प्रकट करते हुए दोहे पढ़े और कहा ष मां के बिन घर घर नही और नहीं परिवार, मां ही सर्जनहार है मां ही पालनहारष। नेहा नुपुर ने प्रेम के शाश्वत स्वरूप को अपनी कविता के माध्यम से प्रकट किया । पंक्तियां कुछ इस प्रकार है ष्प्रेम की अग्नि में तप कर मन का सोना कुंदन हुआ, इंद्रलोक का वैभव फीका प्रेम में मन जब वृंदावन हुआष। संस्था के संगठन महामंत्री यश कांसल ने ष्होलिका के साथ साथ भय का दहन हो, संशय का दहन होष रचना पढ़ी। सत्यवती आचार्य ने होली पर भाईचारा और सद्भाव को बनाए रखने का संदेश दियादृ होली के हुड़दंग में मिटे राग द्वेष के रंग’ कविता सुनाया। लय और तालबद्ध कविता का आनंद उपस्थित श्रोताओं ने ताली बजा कर श्रवण करते हुए लिया सगौतम ने आदरणीयों की प्रति श्रद्धा प्रकटष हम बूढ़ों की डांट डपट की पूरी इज्जत करते है, पानी अगर गरम हो फिर भी आग बुझाता हैष। नालागढ़ साहित्य कला मंच से पधारे यादव किशोर गौतम, हरिराम धीमान, सुमति सिंघल ने काव्य पाठ किया। इनके इलावा अनिल शर्मा ष चिंतक ष,रोहित गर्चा, सुख आमद, उषा पांडेय, किरण अहूजा, रवि कुमार,डॉ नवीन गुप्ता, प्रिंस कश्यप, अरविंद कुमार , चंचल शर्मा, संध्या शर्मा, सुमित बग्गन ने अपनी कविताओं के स्वर लहरियों से समस्त श्रोता मण्डल को मुग्ध किया। अंत में विशिष्ट अतिथी और समाज सेवी भण्डारी अदबी ट्रस्ट के संस्थापक अशोक नादिर जी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए राष्ट्र प्रेम की कविताओं से आह्लादित किया। अंत में हिन्दी साहित्य भारती के महामंत्री लवेश शर्मा 'रघु ने सभी कवियों और श्रोताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा ष्साहित्य की यह सारस्वत परंपरा अनवरत चलती रहे, यही मेरी कामना है।

हड़तालियों को नहीं मिल रहा विद्युत कर्मियों का समर्थन

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में लेसा और मुख्यालय मिलाकर हजारों की संख्या में विद्युत कर्मी और अधिकारी तैनात हैं। लेकिन अपने नेताओं की हठधर्मिता के चलते सब परेशान हैं। इसीलिए एक के बाद एक कई संगठनों ने अपने को आज से होने वाली हड़ताल से दूर कर लिया। इसका दूसरा असर लखनऊ में आज होने वाली मशाल रैली में दिखा।राजधानी में आज कुछ हठधर्मी नेताओं ने मशाल जुलूस निकालने की तैयारी की थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बहुचर्चित मशाल जुलूस जिसकी तैयारी कई सप्ताह से हो रही थी उसमें गिनती के पचास–साठ लोग ही आये।और जो आये उनमें ज्यादा लोग रिटायर्ड थे और जो शाम को दिल बहलाने इकट्ठा हुए थे। मशाल लेकर लोग फील्ड हॉस्टल में ही घूमते रहे। सड़कों पर निकले ही नहीं। वहीं एक आश्चर्यजनक बात यह भी है कि उनमें भी ज्यादा लोग कुछ ही समुदाय या संप्रदाय के थे। यह बात इस शंका को प्रबल करती है कि यह हड़ताल राजनीति प्रेरित है। लोगों का ऐसा भी कहना है कि हड़तालिया नेता इसके जरिए अपना राजनैतिक कद बढ़ाने में लगे हैं। न कि कर्मचारियों का हित साधने में।

इनमें से तो कई ने विधानसभा चुनावों में सरकार की विरोधी पार्टियों के पक्ष में प्रचार भी किया था। विद्युत कर्मियों को दरअसल ऐसे नेताओं से सावधान रहना चाहिए, जो अपने स्वार्थ के लिए उनका उपयोग कर रहे हैं और साथ ही राज्य की जनता को परेशान कर रहे हैं।बताते चलें कि विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ, विद्युत मजदूर पंचायत और ऑफिसर्स एसोसिएशन का हड़ताल से पहले ही पल्ला झाड़ लिया था। इसके बाद भी अपनी कर्मचारियों का हित छोड़ अपनी राजनीति चमकाने में लगे नेताओं ने मशाल जुलूस निकालने की तैयारी की। तैयारी में कोई कमी नहीं थी, मगर समस्या इस बात की थी, कि पहले ही कुछ संगठनों को आभास हो गया था इनकी मंशा का। ऐसा न होता तो राजधानी में हजारों की संख्या में काम करने वाले विद्युतकर्मियों में से सिर्फ 50–60 ही मैदान में न दिखते। और उनमें ज्यादातर सेवानिवृत कर्मचारी रहे।

पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का जताया आभार

किच्छा।लेफ्ट पाहा नहर की कवरिंग के लिए प्रदेश सरकार से 5 करोड़ रुपए की धनराशि अवमूक्त करने पर वार्ड 7 एवं 8 गैस एजेंसी, पंत कालोनी एवं तहसील वार्ड की जनता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का आभार जताया।

आयोजित सभा में पहुंचे पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का वार्डवासियों ने दोनो वार्डो के बूथ अध्यक्ष राजेंद्र राठौर, चुरामनि सागर, नितेश शर्मा, सुरेन्द्र चौधरी व सभासद शोभित शर्मा के साथ फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया।

स्वागत से अभिभूत पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि शहर के बीच से गुजरने वाली लेफ्ट पाहा नहर गंदगी का अंबार बन चुकी है, लेफ्ट पाहा नहर जिन वार्डों से होकर गुजर रही हैं उन वार्डवासियों व शहरवासियों को गंदगी से निजात दिलाने के लिए नहर को कवर कर सड़क निर्माण कराने की घोषणा तत्कालीन मुख्यमंत्री से कराई थी जिसका शिलान्यास चुनाव से पूर्व प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया था प्रथम चरण में दो करोड़ रुपए से बिजली के खंभे व पाइप लाइन शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा द्वितीय चरण के लिए 10 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदेश सरकार ने कर दी थी उक्त धन को अवमुक्त कराने के लिए कई बार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात किया एवं आग्रह किया कि स्वीकृत धनराशि को अवमुक्त किया जाए जिससे नहर को कबर कर सड़क निर्माण किया जा सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किच्छा शहर के बीच से गुजरने वाले लेफ्ट पाहा नहर की कवरिंग के लिए मेरे अनुरोध पर स्वीकृत ध10 करोड़ रूपए में से ध5 करोड़ रूपए अवमुक्त कर दिया है जिससे डेढ़ किलोमीटर नहर को कवर कर सड़क निर्माण का कार्य किया जाएगा। आज वार्डवासियों ने प्रदेश सरकार के मुखिया पुष्कर सिंह धामी का आभार जताने के लिए एवं मेरा धन्यवाद करने के लिए मुझे बुलाकर सम्मानित किया। कहा कि उनके द्वारा किए गए शिलान्यास के लिए स्वीकृत धनराशि अवमुक्त करके मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह साबित किया कि चुनाव परिणाम बदलने से विकास रुकने वाला नहीं है। जनता पार्टी की सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के ध्येय को लेकर कार्य करती है।

स्वागत करने वालो में मुख्य रूप से मोहन सिंह एरी, केवलानंद सौनारी, कैलाश चंद पाठक, बसंत बल्लभ पांडे, शेखर कश्यप, पवन कश्यप, पंकज वर्मा, रूप सिंह, घनश्याम पांडे, हरीश सक्सेना, कुंदन लाल खुराना, सभासद संदीप अरोरा, शक्तिकेंद संयोजक महेन्द्र पाल, सोनल कुशवाहा, मुकेश मिश्रा, नंदलाल, सुभाष तनेजा, ओम तनेजा, चांद जैदी, जगदीश यादव, राजेश कोली, मुकेश कोली, उमेश पाल, नितिन चरण वाल्मीकि, देवेंद्र शर्मा, आरती दुबे, मनोज सागर, पप्पू, भूपाल रावत, वेद राम, अजय कुमार सक्सेना समेत सैकड़ों वार्डवासी एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

अंतरराष्ट्रीय शब्द सृजन की सरस काव्य सन्ध्या

गाजियाबाद। साहित्य एवं संस्कृति का वैश्विक संस्थान अंतरराष्ट्रीय शब्द सृजन के द्वारा वेवसिटी गाजियाबाद में कोलकाता के सुप्रसिद्ध शायर कृष्ण कुमार दुबे के सम्मान में सरस काव्य सन्ध्या का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राजीव पाण्डेय ने बताया कि संस्था के द्वारा अशोक चक्र विजेताओं पर प्रकाशित ग्रन्थ भारत के अशोक चक्र विजेता में सहभागी रचनाकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय काव्य श्री सम्मान से श्री कृष्ण कुमार दुबे को शॉल पटका ग्रंथ सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही दुबे जी के उत्तम काव्य पाठ को पूर्ण मनोयोग से सुना गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता देश के बड़े साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रो(डॉ) नवीन चन्द्र लोहनी ने की साथ ही हिंदी के विकास एवं उसकी व्यवहारिक कठिनाइयों की भी चर्चा की। देश के बड़े हास्य व्यंग्य के हस्ताक्षर डॉ जयप्रकाश मिश्र ने अपने चिरपरिचित अंदाज में काव्य पाठ किया साथ ही कुशल संचानलन भी किया।

इस अवसर पर शिकोहाबाद से डॉ राजीव शर्मा श्आधारश ने सरस्वती वंदना के अपने गीतों से रस वर्षा की।

तंजानिया से जितेन्द्र भारद्वाज श्जीतू जलेसरीश ने अपने अंदाज छंद मुक्तक गजल से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।गाजियाबाद से सोनम यादव , डॉ श्वेता त्यागी , रूपा राजपूत, डॉ हरिदत्त गौतम श्अमरश शालिनी भार्गव ने की कविताओं गीतों को काफी सराहा गया।

डॉ राम शंकर चंचल के आंचलिक साहित्य पर एक और पी एच डी

प्राख्यत साहित्य साधक डॉ राम शंकर चंचल के आंचलिक साहित्य पर एक और पी एच डी शोध केंद्र डॉ परमेश्वर शर्मा शोध संस्थान श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इंदौर मध्य प्रदेश के तहत सहायक प्राध्यापक शा आदर्श महाविधालय के श्री मुकेश बगेल द्वारा की जा रही है जिसमें डॉ चंचल के संपूर्ण आंचलिक साहित्य पर शोध कार्य किया जायेगा इसके पूर्व भी डॉ राम शंकर चंचल के साहित्य पर पी एच डी हो चुकी है गर्व होता है आंचलिक पिछड़े अन्चल झाबुआ की उनके झाबुआ में जिले में एक ऐसी साहित्य हस्ती है जिनके साहित्य में अद्भुत अद्भुत योगदान पर पी एच डी हो रही है यह जिले के लिए सचमुच बेहद गर्व का विषय है कि पिछड़ा कहाँ जाने वाला उनके जिले में इस तरह की महान साहित्य साधक हस्ती है जिसने जिले को, प्रदेश और देश को अपने अद्भुत अविरल साहित्य सेवा से, हिन्दी सेवा से बहुत सम्मान और पहचान दिलाई है पूरे विश्व में जो वन्दनीय है।

दहिसर में 18 मार्च को ष्फागुन बयारष् स्नेह मिलन और सम्मान समारोह का आयोजन

प्रसिद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक संस्था बयार का स्नेह सम्मेलन एवम् सांस्कृतिक कार्यक्रम 18 मार्च को दहिसर में आयोजित किया गया है। आयोजन समिति के वरिष्ठ समाजसेवी सूर्यकांत उपाध्याय ने बताया कि गत कई वर्षों से लगातार इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर समाज को जोड़ने और निरंतर साथ रहते हुए प्रगति करने के लिए प्रेरित करने का टीम ष्बयारष् का प्रयास रहता है। जिसे समाज के लोगों का अथाह प्रेम और साथ मिलता रहता है। यही टीम बयार के लिए ऊर्जा का श्रोत भी है और उत्साह का कारण भी सतीश दूबे ने बताया कि टीम बयार द्वारा ष्फागुन बयारष् का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगा जिसमें बच्चों द्वारा गीत, नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके साथ–साथ एक नामचीन ऑर्केस्ट्रा भी गीत संगीत प्रस्तुत करते हुए उस शाम को मखमली बना देगा। यह आयोजन दहिसर पूर्व के छत्रपति शिवाजी मार्ग पर स्थित आदित्य पार्क परिसर (डी–विंग) , मुरलीधर स्वीट्स के सामने होगा। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सूर्यकांत उपाध्याय, सीनियर जर्नलिस्ट अभय मिश्रा, सतीश दूबे, एडवोकेट अशोक मिश्रा, डॉक्टर बृजेश पांडे, अजित तिवारी,अनिल मिश्रा, अरविंद मिश्रा, उपेंद्र सिंह, संतोष मिश्रा, अनुज अवस्थी, अशोक मिश्रा, रविंद्र उपाध्याय तथा प्रदीप मिश्रा विशेष मेहनत कर रहे हैं।

आपकी पार्टी आपके गाव कार्यक्रम मे प्रदेश महासचिव इशितयाक अंसारी ने किया भागीदारी

मिर्आपुर। आज 15 मार्च 2023 को मिर्जापुर में जनाब शाहिद तौसिफ साहब मिर्जापुर मण्डल प्रभारी अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस कमेटी के कार्यक्रम मेरी पार्टी मेरा गाँव मा0 प्रियंका गांधी जी के निर्देश पर पार्टी से जोड़ने के लिए लोगों से सम्पर्क किया गया. कार्यक्रम में विशिष्ठ अथिति के मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव जनाब इश्तियाक अंसारी जी प्रभारी भदोही, सोनभद्र और संचालन श्री रोशन अंसारी प्रदेश सचिव ने किया..

मानवाधिकार हनन रोकने के लिए प्रत्येक जरूरतमंद एवं निर्धन व्यक्ति को एसोसिएशन निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराएगा

मानवाधिकार एवं निशुल्क कानूनी सहायता के लिए समर्पित अग्रणी संस्था भारतीय विधिक सहायता एसोसिएशन की एक बैठक तहसील परिसर रावत गंज सोनभद्र में दिन के 11रू00 बजे अधिवक्ता भवन में अध्यक्षता राष्ट्रीय संयोजक एड पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने किया एवं संचालन विमल प्रसाद सिंह एडवोकेट महामंत्री डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई ! भारतीय विधिक सहायता एसोसिएशन के प्रमुख सलाहकार व पूर्व सांसद श्री छोटे लाल खरवार जी व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के महामंत्री श्री विमल प्रसाद सिंह एडवोकेट जी के साथ जिला सत्र न्यायालय परिसर अधिवक्ता भवन 1 में बैठक हुई । एसोसिएशन के राष्ट्रीय सलाहकार पूर्व सांसद श्री छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि निःशुल्क कानूनी सहायता प्रत्येक निर्धन व्यक्ति का अधिकार होता है। आपराधिक मामलों में यदि एक अभियुक्त को कानूनी मदद नहीं मिले और वे अपना बचाव नहीं कर पाए यह नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। आज के समय में न्याय अत्यंत खर्चीला है, ऐसे में एक निर्धन अभियुक्त अपने बचाव से विरत रह जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए ही निःशुल्क विधिक सहायता की अवधारणा अस्तित्व में आई है। जहां एक निर्धन अभियुक्त को अपना बचाव करने के लिए एसोसिएशन द्वारा अपने अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाता है जो अभियुक्त की ओर से उसका बचाव करता है। इस आलेख में इस ही निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित कानून पर चर्चा की जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप जायसवाल ने कहा कि रावटसगंज में कृष केसरी हत्याकांड एवं घोरावल थाना अंतर्गत पेड़ में अनुराग हत्याकांड पचास लाख का मुआवजा एवं घर में एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए ! और अगर जरूरत पड़ी तो एसोसियेशन के अधिवक्ताओं का एक पैनल दोनों हत्याकांड के मुकदमों में निशुल्क पैरवी करेगा जिससे दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिल सके ! इस अवसर पर फूल सिंह एडवोकेट, पवन कुमार द्विवेदी एड, अतुल कुमार कनौजिया एड, नवीन कुमार पांडेय एड, मनोज कुमार जायसवाल एड, अनिल कुमार सिंह एड आदि लोग उपस्थित थे !

’अनिता मंदिलवार सपना अंतरराष्ट्रीय नारी गौरव सम्मान 2023 से सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर के अवसर परष्बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओष् बालिका शिक्षा अभियान के अंतर्गत शान्ती फाउंडेशन गोण्डा मिशन शक्ति द्वारा अनिता मंदिलवार सपना को अंतरराष्ट्रीय नारी गौरव 2023’ से सम्मानित किया गया । अंतरराष्ट्रीय स्तर इस अवार्ड की विजेता बनी अनिता मंदिलवार सपना अपने क्षेत्र में एक विशेष पहचान रखती है । अनिता मंदिलवार श्सपनाश की इसके पहले लगभग तीन सौ पचास साझा संग्रह और दस एकल संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं । साहित्यिक और सामाजिक योगदान के लिए इन्हें पहले भी बहुत बार सम्मानित किया गया है । आकाशवाणी से विगत 23 वर्षो से महिला कार्यक्रम घर आँगन कार्यक्रम में कम्पीयरिंग कर रही हैं । लीडिंग लेडीज ऑफ मध्यपध्देश एण्ड छत्तीसगढ़ में स्थान दर्ज करा चुकी है । इसके पहले लगभग छरू सौ से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं । उनकी रचनाएँ गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स, इंडिया बुक आँफ रिकार्डस और आँफिशियल वर्ल्ड रिकार्ड्स में शामिल हुई हैं ।सौ से अधिक साहित्यिक संस्थानों में साहित्यिक सेवाएं प्रदान कर रही हैंअनिता मंदिलवार समाजसेवा, साहित्य, शिक्षा के साथ साथ अन्य जागरुकता कार्यक्रम में हमेशा सक्रिय भागीदारी निभाती रहती है । अभी बाल साहित्य पर कार्य चल रहा है । अनिता मंदिलवार श्सपनाश की इसके पहले लगभग चार सौ साझा संग्रह और दस एकल संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं । साहित्यिक और सामाजिक योगदान के लिए इन्हें पहले भी बहुत बार सम्मानित किया गया है । आकाशवाणी से विगत 25 वर्षो से महिला कार्यक्रम घर आँगन कार्यक्रम में कम्पीयरिंग कर रही हैं । इसके पहले लगभग छरू सौ से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं । उनकी रचनाएँ गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स, ऑफिशियल वर्ल्ड रिकार्ड्स, इंडिया बुक आँफ रिकार्डस में शामिल हुई हैं । सौ से अधिक साहित्यिक संस्थानों में साहित्यिक सेवाएं प्रदान कर रही हैं । वर्तमान में वे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय असोला अंबिकापुर सरगुजा छतीसगढ़ में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं।

शिक्षा की बुनियाद अच्छी तो करियर बेहतर : नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया देश के पहले इनोवेटिव स्किल स्कूल में दाखिला प्रक्रिया का शुभारंभ। एनएसक्यूएफ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम, नौवीं क्लास से पढ़ाए जाएंगे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईटी और डाटा साइंस। पलवल श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि यदि शिक्षा की बुनियाद अच्छी होगी तो करियर भी बेहतर होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए देश के पहले इनोवेटिव स्किल स्कूल श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने नौवीं क्लास से अलग तरह के कोर्स डिजाइन किए हैं। नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार सिलेबस तैयार किया गया है। कुलपति श्री राज नेहरू ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्व विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल की दाखिला प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए यह उद्‌गार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि देश में ड्रॉपआउट के आंकड़े बहुत चिंताजनक हैं। बहुत से विद्यार्थी आठवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ रहे हैं। इसके कई कारण निकल कर सामने आए हैं। कुछ विद्यार्थी गरीबी के कारण आगे नहीं बढ़ पाते तो कुछ विद्यार्थी ऐसे हैं जो पारम्परिक विषयों में रुचि नहीं रखते। इन सभी समस्याओं का निराकरण करते हुए ड्रॉपआउट को कम करने और विद्यार्थियों को स्कूल एजुकेशन के साथ–साथ ही व्यावसायिक और कौशल शिक्षा के साथ जोड़ने का अनूठा प्रयोग विश्वविद्यालय के इनोवेटिव स्किल स्कूल ने किया है। कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया कि 2021 में इस अलग तरह के स्कूल की शुरुआत की गई थी। यह मॉडल पूरी तरह से सफल रहा है और अब प्रदेश सरकार भी इसी तर्ज पर 10 स्कूल खोलने जा रही है, जिनका संचालन श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय करेगा। कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और एनएसक्यूएफ के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और डेटा साइंस जैसे विषय नौवीं क्लास के सिलेबस में शामिल किए गए हैं। विद्यार्थी अपनी अभिरुचियों के अनुसार जॉब रोल चुन सकते हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल डॉक्टर जलबीर सिंह ने इस मौके पर कहा कि देश के सबसे पहले इनोवेटिव स्किल स्कूल में दाखिलों के लिए विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने बताया कि दाखिलों का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। स्कूल में दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे।

जनभाषा के अध्यक्ष रामप्यारे रघुवंशी साहित्य रत्नाकर सम्मान से सम्मानित

महानगर मुंबई की सामाजिक एवं साहित्यिक राष्ट्रीय संस्था काव्य सृजन परिवार का होली स्नेह सम्मेलन वेरंगुला केंद्र हाल,मीरा रोड में संपन्न हुआ ।जिसमें थाना,मुंबई,नवी मुंबई के तमाम जाने–माने शायर,कवि,साहित्यकारों तथा पत्रकारों ने शिरकत किया ।सम्मानित अतिथि के रूप में भारतीय जनभाषा प्रचार समिति,ठाणे के संस्थापक अध्यक्ष,श्रेष्ठ वक्ता, समाजसेवी और वरिष्ठ साहित्यकार रामप्यारे सिंह श्रघुवंशीश मंच पर विराजमान थे,जिन्हें काव्यसृजन परिवार द्वारा साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने हेतु ...द साहित्य रत्नाकर... से सम्मानित किया गया ।रामप्यारे सिंह श्रघुवंशीश पिछले 32 वर्षों से साहित्यिक संस्था भारतीय जनभाषा प्रचार समिति, ठाणे के संस्थापक अध्यक्ष हैं और यह संस्था पिछले32 वर्षों से अनवरत रूप से ठाणे में निर्विवाद रूप से साहित्य सेवा का कार्य कर रही है ।यह संस्था ठाणे– मुंबई की तमाम पुरानी संस्थाओं में से एक है ।संस्था बहुत सारे नवांकुरों को अपने मंच पर प्रतिष्ठित करने के लिए जानी जाती है। संस्था अपने उद्देश्य में काफी सफल रही है और ठाणे–मुंबई की तमाम मित्र संस्थाओं से बेहतरीन ताल मेल बनाने में कामयाब रही है ।ठाणे में कार्यरत संगीत साहित्य मंच,हृदयांगन साहित्य संस्थान,भारतीय साहित्य सेवा परिषद,नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान, भारतीय जनभाषा प्रचार समिति एक साथ साहित्य सेवा में सतत प्रयत्नशील हैं जो साहित्य जगत के लिए बेहतर उपलब्धि के रूप में जानी जाती है ।रघुवंशी ने मीडिया सचिव विनय शर्मा दीप को बताया कि संस्था काव्य–गोष्ठी का प्रति माह आयोजन एवं देश के कोने कोने से आए विशिष्ट साहित्यकारों के सानिध्य में भव्यद्य कवि सम्मेलन का आयोजन करती रही है ।बीच बीच में गद्य और काव्य प्रतियोगिताओं का आयोजन कर कवियों एवं साहित्यकारों को पुरस्कृत करती रही है। जनभाषा के मंच पर अबतक आए प्रख्यात साहित्यकारों में आ.मंगल नसीम(दिल्ली), अशोक अंजुम (अलीगढ़),मृदुला अरुण(नवी दिल्ली),दीक्षित दनकौरी,आ. लक्ष्मण दुबे प्रमुख रहे हैं। रघुवंशी को उक्त सम्मान पाने पर महानगर की सभी साहित्य संस्थाओं के साथ साथ जन भाषा के सभी पदाधिकारी, काव्यसृजन अध्यक्षद्य शिवप्रकाश जमदग्निपुरी, संचालक– अंजनी द्विवेदी,सचिव–लालबहादुर यादव श्कमल,श श्रीधर मिश्र, सुरेन्द्र दुबे अनुज जौनपुरी तथा टीम के अन्य सभी पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं और बधाइयां दी।

लाइव एपिसोड (16) तेरे मेरे दिल की बात

महिला सशक्तिकरण और स्त्री विमर्श के नाम पर स्त्री के दैहिक खुलापन की मांग क्यों?

रूसिद्धेश्वरपटना! हंस द्वारा आयोजित साहित्य उत्सव में, ढेर सारे मुख्यधारा की लेखिकाओं ने स्त्री विमर्श के नाम पर, साहित्य में खुलापन की मांग भी की स स्त्री के दैहिक खुलापन को उन्होंने सही बतलाया स देह स्त्री का अपना है, वह चाहे उसे जैसे रखें, जैसे दिखलाएं स इसमें किसी की बंदिश बर्दाश्त नहीं स दूसरी तरफ स्त्री लेखन में देह प्रदर्शन को भी उन्होंने नजायज नहीं बतलाया बल्कि उसे समाज का एक सच और समय के बदलते परिवेश का एक हिस्सा माना स उन लोगों ने यह भी स्वीकार किया कि बड़े–बड़े शहरों में जो लिव इन रिलेशनशिप का प्रचलन चल पड़ा है, वह कहीं से भी नाजायज नहीं है बल्कि बदलते समय की मांग है स भारतीय संस्कृति के लिए भले यह चिंता का विषय हो किंतु पूरे देश में इन बातों का कोई खास मायने भी नहीं रह गया है स ऐसे में क्या महिला सशक्तिकरण की बात आज भी उसी तरह कायम रहनी चाहिए जो वर्षों से चली आ रही है ?

भारतीय युवा साहित्यकार परिषद के तत्वाधान में फेसबुक के अवसर साहित्यधर्मी पत्रिका के पेज पर कवि कथाकार सिद्धेश्वर ने ऑनलाइन तेरे मेरे दिल की बात एपिसोड (16) में उपरोक्त उद्‌गार व्यक्त किया स उनकी यह चर्चा साहित्यिक,सांस्कृतिक एवं सामाजिक संदर्भों से जुड़ी हुई होती है स एक घंटे के इस लाइव एपिसोड के भाग रू16 में ष् महिला सशक्तिकरण और हमारा समाज ष् के संदर्भ में उन्होंने विस्तार से आगे कहा कि –आज के सभ्य समाज में जो पति पत्नी का रिश्ता है, क्या उसमें भी आमूल परिवर्तन आने चाहिए स फैशन के रूप में आज की नारी जिस तरह का नंगापन को उभारने वाले वस्त्र पहन रही हैं, महिला सशक्तिकरण के नाम पर क्या उसे स्वीकार कर लेना चाहिए ? जब ये सारे अधिकार पुरुषों को प्राप्त है तो क्या नारी को भी वह समान अधिकार मिलना चाहिए ?

ष् तेरे मेरे दिल की बात ष् एपिसोड (16) में सिद्धेश्वर के व्यक्त किए गए विचार पर, ऑनलाइन सवाल का जवाब देते हुए आज की खास मेहमान वरिष्ठ लेखिका डॉ सुधा पांडे ने कहा कि – समाज सेवा करके दिल को सुकून मिलता है । नारी सशक्तिकरण के लिए भी मैंने कई काम किए हैं स हमारी विद्वता की पहचान पहनावे से नहीं सोच से होती है । दहेज प्रथा को आज के नौजवान ही समाप्त कर सकते हैं ।अपने साथ काम कर रहे मित्रों से शादी कर के ।आज हर क्षेत्र में लड़कियाँ आगे बढ़ रही है वे खुले विचारों में पल रहीं हैं। नये परिवार को समझने में समय लगता है किन्तु मित्रों को इंसान पहले से ही समझा रहता है । दूसरी बात नारी ही नारी की दुश्मन है यह सोच कर अजीब लगता है ।अगर बहू को बेटी की तरह प्यार दे । सहेली बनकर रहे तो कहावत बदल जायेगी ।

सपना चंद्रा ने कहा कि –जहाँ तक एक महिला होने के नाते महिला सशक्तिकरण को मैंने समझा है..वह यह है कि आज शिक्षा लगभग हर स्त्री को मिल रही है,अपवाद को हम बिषय नहीं बना सकते। पहले एक स्त्री को खुद के प्रति ईमानदार होना चाहिए.स्त्री ही स्त्री की पहली शत्रु भी है और हमदर्द भी ।आजादी और सशक्तिकरण का अर्थ हमेशा अनुकरणीय होना चाहिए क्यूँकि जब हमारे बौद्धिक स्तर का समाज पर भी प्रभाव पड़ता है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हमें हमेशा स्वस्थ कदम उठाने चाहिए ।आजादी का मतलब यह कतई नहीं है कि हम उसका अनुचित लाभ उठाएँ स

इनके अतिरिक्त , इंदु उपाध्याय, विजय कुमारी मौर्य, एकलव्य केसरी, अपूर्व कुमार ,राजेंद्र राज,, संतोष मालवीय, प्रियंका श्रीवास्तव शुभ्र,चौतन्य किरण, शैलेंद्र सिंह, संतोष मालवीय,सुनील कुमार उपाध्याय,नीलम श्रीवास्तव आदि विचारकों ने भी अपने विचार रखे।

दर्ज हुई नई FIR, लाहौर में पुलिस-PTI कार्यकर्ताओं के बीच झड़प मामले में कार्रवाई

पाकिस्तान के पूर्व सीएम इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पंजाब पुलिस ने गुरुवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान के खिलाफ आतंकवाद समेत कई आरोपों में एक नई एफआईआर दर्ज की है।

पंजाब पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसमें कहा गया है कि पूर्व सीएम खान ने जमान पार्क में मौजूद अपनी पार्टी के 2,500 से अधिक कार्यकर्ताओं को पुलिसकर्मियों पर हमला करने के लिए उकसाया। जब पुलिसकर्मी उन्हें भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार करने गए थे। एफआईआर के मुताबिक, पीटीआई समर्थकों ने पुलिस वाहनों को भी आग लगा दी थी। साथ ही पुलिसकर्मियों और रेंजरों पर पेट्रोल बम भी फेंके। इस घटना में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आईं।

गौरतलब है कि 70 वर्षीय इमरान खान पर देश भर में 83 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, इनमें उन पर जनता को भड़काने, एक महिला न्यायाधीश की अवमानना और आधिकारिक काम में हस्तक्षेप से लेकर हत्या, हत्या के लिए उकसाने, आतंकवाद, देशद्रोह और ईशनिंदा तक के कई आरोप हैं।

अब तक क्या-क्या हुआ?

दरअसल, पाकिस्तान के कानून के अनुसार किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना में रखना होता है। अगर राज्य का मुखिया उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो उसके लिए उसे इसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करना होगा। यह एक नीलामी की प्रक्रिया के जरिए तय किया जाता है। ये उपहार या तो तोशाखाना में जमा रहते हैं या नीलाम किए जा सकते हैं और इसके माध्यम से अर्जित धन को राष्ट्रीय खजाने में जमा किया जाता है।

कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान ने 2.15 करोड़ रुपये में इन गिफ्ट्स को तोशखाने से खरीदा था और इन्हें बेचकर 5.8 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा लिया। इन गिफ्टस में एक ग्राफ घड़ी, कफलिंक का एक जोड़ा, एक महंगा पेन, एक अंगूठी और चार रोलेक्स घड़ियां भी थीं।

गैरजमानती वारंट जारी, समर्थकों ने शुरू किया हिंसक प्रदर्शन

पाकिस्तान की एक अदालत 28 फरवरी को इमरान खान पर अभियोग लगाने की तैयारी में थी, लेकिन पूर्व पीएम के वकील ने जज से अनुरोध किया था कि उन्हें सुनवाई से छूट दी जाए, क्योंकि उन्हें कई अन्य अदालतों में पेश होना है। अदालत ने बाद में इमरान के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था और पुलिस को सात मार्च तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था। लेकिन इमरान पेश नहीं हुए। इसके बाद सोमवार को फिर से अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी कर 18 मार्च तक कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया।

इसपर बुधवार सुबह जमान पार्क के बाहर पुलिस ने इमरान के आवास में घुसने के कई प्रयास किए, लेकिन उन्हें पीटीआई समर्थकों ने विफल कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, समर्थकों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया गया। जवाब में पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े। दूसरी ओर, पीटीआई समर्थकों ने लाहौर में एक पानी के टैंकर, मोटरसाइकिलों और आसपास के अन्य वाहनों में आग लगा दी। उन्होंने माल रोड स्थित वार्डन के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की। सुबह 10रू30 बजे बख्तरबंद पुलिस वैन एक बार फिर इमरान के आवास पहुंची।

पीटीआई कार्यकर्ताओं का इस्लामाबाद पुलिस, पंजाब पुलिस और बाद में रेंजर्स कर्मियों से टकराव सोमवार से जारी है। अभी भी नरमी का कोई संकेत नहीं है। अब तक, झड़प के दौरान करीब 30 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि कम से कम 15 पीटीआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। इलाके में इंटरनेट कनेक्टिविटी भी प्रभावित हुई है। उधर इमरान खान ने जमान पार्क स्थित अपने आवास से देश को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि उनके आवास पर हमला हो रहा है। खान ने कहा, श्हमने कभी ऐसा नहीं देखा ... मैंने कभी किसी राजनीतिक नेता के घर पर ऐसा हमला नहीं देखा।श पीटीआई प्रमुख ने अपने जुर्म के बारे में पूछा और कहा कि उनके खिलाफ तोशखाना मामला फर्जी और अनुचित है।

हाईकोर्ट ने रैली पर लगाई रोक

लाहौर हाईकोर्ट ने इकबाल पार्क में रविवार को होने वाली पीटीआई की रैली पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकों को अपनी आम जिंदगी जीने दें। बता दें कि पीटीआई 19 मार्च को लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान में एक ऐतिहासिक रैली आयोजित करने की योजना बना रही थी। इमरान खान रैली का नेतृत्व करने वाले थे।

अगले महीने भारत आ सकते हैं पीएम प्रचंड, विदेश मंत्रालय ने यात्रा की तैयारियां की शुरू

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश अगले महीने अपनी आधिकारिक यात्रा पर भारत आ सकते हैं। पीएम प्रचंड ने पिछली साल दिसंबर में तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में कार्रभार संभाला है जिसके बाद उनकी यह पहली यात्रा होगी।

भविष्य में उनकी भारत यात्रा जल्द होगी

हालांकि उनकी भारत यात्रा की आधिकारिक तारीख की घोषणा अभी बाकी है, द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना और व्यापार, ऊर्जा, कृषि, संस्कृति और वायु सेवा पर बातचीत भारतीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत में प्रमुखता से शामिल होगी। प्रधानमंत्री प्रचंड के करीबी सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री को प्रतिनिधि सभा से विश्वास मत मिलने के बाद तारीख तय की जाएगी। निकट भविष्य में उनकी भारत यात्रा जल्द होगी।

विदेश मंत्रालय ने यात्रा की तैयारी शुरू कर दी है।

एक सूत्र ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विश्वास मत हासिल करने और अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने के बाद यह दौरा होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि पद संभालने के बाद वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे। प्रधानमंत्री 20 मार्च को संसद से विश्वास मत मांग रहे हैं। काठमांडू पोस्ट अखबार ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने यात्रा की तैयारी शुरू कर दी है।

मंत्रालय ने इस उद्देश्य के लिए जमीनी कार्य शुरू कर दिया है और एजेंडा तैयार करने के लिए मंत्रालयों के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य अप्रैल प्रधानमंत्री के आधिकारिक दौरे की संभावित तारीख होगी।

पिछले साल जुलाई में प्रचंड भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के निमंत्रण पर भारत आए थे। उस समय उन्होंने भाजपा अध्यक्ष के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। प्रचंड ने पिछले साल 26 दिसंबर को तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली थी, जब उन्होंने नाटकीय रूप से नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व गठबंधन से बाहर निकलकर विपक्षी नेता के पी शर्मा ओली के साथ हाथ मिलाया था।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

पाकिस्तान सुपर लीग में हाईवोल्टेज ड्रामा, पोलार्ड ने जड़े तीन छक्के तो भड़के अफरीदी, मैच में भिड़े

पाकिस्तान सुपर लीग (च्स) का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को इस लीग में मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच क्वालिफायर मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुल्तान की पारी के दौरान दो दिग्गज खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच में मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मुल्तान की पारी के दौरान 19वें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने शाहीन अफरीदी की गेंद पर तीन छक्के जड़े। इससे शाहीन भड़क गए। ओवर खत्म होने पर बॉलिंग मार्क तक वापस जाने तक शाहीन कुछ बोलते हैं। वीडियो में ऐसा देखा जा सकता है। इस पर पोलार्ड भी उन्हें जवाब देते दिखाई पड़ते हैं।इस पर शाहीन का गुस्सा और बढ़ जाता है और वह पोलार्ड के करीब पहुंच जाते हैं। दोनों के बीच भिड़ंत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शाहीन के 19वें ओवर में 20 रन बने और इसमें से पोलार्ड ने 19 रन बनाए थे। शाहीन स्पष्ट रूप से रन पड़ने से नाखुश और चिढ़े हुए थे। वीडियो आप नीचे देख सकते हैं—शाहीन ने 19वें ओवर की शुरुआत पोलार्ड को डॉट बॉल से की थे। इसके बाद पोलार्ड ने अगली दो गेंदों पर दो शानदार छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की चौथी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर हुसैन तलत ने पोलार्ड का कैच छोड़ दिया और बल्लेबाज ने एक रन ले लिया। अगली गेंद पर टिम डेविड ने फिर से स्ट्राइक रोटेट की। इसके बाद पोलार्ड ने आखिरी गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया।कीरोन पोलार्ड ने 34 गेंदों में 57 रन बनाए और मुल्तान सुल्तांस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में लाहौर कलंदर्स को 14.3 ओवरों में 76 रनों पर आउट कर दिया। लाहौर के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। शेल्डन कॉट्रेल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ मुल्तान की टीम सीधे फाइनल में पहुंच गई। अब इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच गुरुवार को एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसमें जीतने वाली टीम शुक्रवार को लाहौर कलंदर्स ने दूसरे क्वालिफायर में भिड़ेगी। इसमें से जीतने वाली टीम 19 मार्च को मुल्तान से फाइनल में भिड़ेगी।

पाकिस्तान सुपर लीग (च्स) का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को इस लीग में मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच क्वालिफायर मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुल्तान की पारी के दौरान दो दिग्गज खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच में मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मुल्तान की पारी के दौरान 19वें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने शाहीन अफरीदी की गेंद पर तीन छक्के जड़े। इससे शाहीन भड़क गए। ओवर खत्म होने पर बॉलिंग मार्क तक वापस जाने तक शाहीन कुछ बोलते हैं। वीडियो में ऐसा देखा जा सकता है। इस पर पोलार्ड भी उन्हें जवाब देते दिखाई पड़ते हैं।इस पर शाहीन का गुस्सा और बढ़ जाता है और वह पोलार्ड के करीब पहुंच जाते हैं। दोनों के बीच भिड़ंत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शाहीन के 19वें ओवर में 20 रन बने और इसमें से पोलार्ड ने 19 रन बनाए थे। शाहीन स्पष्ट रूप से रन पड़ने से नाखुश और चिढ़े हुए थे। वीडियो आप नीचे देख सकते हैं—शाहीन ने 19वें ओवर की शुरुआत पोलार्ड को डॉट बॉल से की थे। इसके बाद पोलार्ड ने अगली दो गेंदों पर दो शानदार छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की चौथी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर हुसैन तलत ने पोलार्ड का कैच छोड़ दिया और बल्लेबाज ने एक रन ले लिया। अगली गेंद पर टिम डेविड ने फिर से स्ट्राइक रोटेट की। इसके बाद पोलार्ड ने आखिरी गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया।कीरोन पोलार्ड ने 34 गेंदों में 57 रन बनाए और मुल्तान सुल्तांस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में लाहौर कलंदर्स को 14.3 ओवरों में 76 रनों पर आउट कर दिया। लाहौर के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। शेल्डन कॉट्रेल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ मुल्तान की टीम सीधे फाइनल में पहुंच गई। अब इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच गुरुवार को एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसमें जीतने वाली टीम शुक्रवार को लाहौर कलंदर्स ने दूसरे क्वालिफायर में भिड़ेगी। इसमें से जीतने वाली टीम 19 मार्च को मुल्तान से फाइनल में भिड़ेगी।पाकिस्तान सुपर लीग (च्स) का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को इस लीग में मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच क्वालिफायर मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुल्तान की पारी के दौरान दो दिग्गज खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच में मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मुल्तान की पारी के दौरान 19वें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने शाहीन अफरीदी की गेंद पर तीन छक्के जड़े। इससे शाहीन भड़क गए। ओवर खत्म होने पर बॉलिंग मार्क तक वापस जाने तक शाहीन कुछ बोलते हैं। वीडियो में ऐसा देखा जा सकता है। इस पर पोलार्ड भी उन्हें जवाब देते दिखाई पड़ते हैं।इस पर शाहीन का गुस्सा और बढ़ जाता है और वह पोलार्ड के करीब पहुंच जाते हैं। दोनों के बीच भिड़ंत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शाहीन के 19वें ओवर में 20 रन बने और इसमें से पोलार्ड ने 19 रन बनाए थे। शाहीन स्पष्ट रूप से रन पड़ने से नाखुश और चिढ़े हुए थे। वीडियो आप नीचे देख सकते हैं—शाहीन ने 19वें ओवर की शुरुआत पोलार्ड को डॉट बॉल से की थे। इसके बाद पोलार्ड ने अगली दो गेंदों पर दो शानदार छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की चौथी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर हुसैन तलत ने पोलार्ड का कैच छोड़ दिया और बल्लेबाज ने एक रन ले लिया। अगली गेंद पर टिम डेविड ने फिर से स्ट्राइक रोटेट की। इसके बाद पोलार्ड ने आखिरी गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया।कीरोन पोलार्ड ने 34 गेंदों में 57 रन बनाए और मुल्तान सुल्तांस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में लाहौर कलंदर्स को 14.3 ओवरों में 76 रनों पर आउट कर दिया। लाहौर के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। शेल्डन कॉट्रेल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ मुल्तान की टीम सीधे फाइनल में पहुंच गई। अब इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच गुरुवार को एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसमें जीतने वाली टीम शुक्रवार को लाहौर कलंदर्स ने दूसरे क्वालिफायर में भिड़ेगी। इसमें से जीतने वाली टीम 19 मार्च को मुल्तान से फाइनल में भिड़ेगी।पाकिस्तान सुपर लीग (च्स) का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को इस लीग में मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच क्वालिफायर मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुल्तान की पारी के दौरान दो दिग्गज खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच में मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मुल्तान की पारी के दौरान 19वें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने शाहीन अफरीदी की गेंद पर तीन छक्के जड़े। इससे शाहीन भड़क गए। ओवर खत्म होने पर बॉलिंग मार्क तक वापस जाने तक शाहीन कुछ बोलते हैं। वीडियो में ऐसा देखा जा सकता है। इस पर पोलार्ड भी उन्हें जवाब देते दिखाई पड़ते हैं।इस पर शाहीन का गुस्सा और बढ़ जाता है और वह पोलार्ड के करीब पहुंच जाते हैं। दोनों के बीच भिड़ंत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शाहीन के 19वें ओवर में 20 रन बने और इसमें से पोलार्ड ने 19 रन बनाए थे। शाहीन स्पष्ट रूप से रन पड़ने से नाखुश और चिढ़े हुए थे। वीडियो आप नीचे देख सकते हैं—शाहीन ने 19वें ओवर की शुरुआत पोलार्ड को डॉट बॉल से की थे। इसके बाद पोलार्ड ने अगली दो गेंदों पर दो शानदार छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की चौथी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर हुसैन तलत ने पोलार्ड का कैच छोड़ दिया और बल्लेबाज ने एक रन ले लिया। अगली गेंद पर टिम डेविड ने फिर से स्ट्राइक रोटेट की। इसके बाद पोलार्ड ने आखिरी गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया।कीरोन पोलार्ड ने 34 गेंदों में 57 रन बनाए और मुल्तान सुल्तांस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में लाहौर कलंदर्स को 14.3 ओवरों में 76 रनों पर आउट कर दिया। लाहौर के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। शेल्डन कॉट्रेल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ मुल्तान की टीम सीधे फाइनल में पहुंच गई। अब इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच गुरुवार को एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसमें जीतने वाली टीम शुक्रवार को लाहौर कलंदर्स ने दूसरे क्वालिफायर में भिड़ेगी। इसमें से जीतने वाली टीम 19 मार्च को मुल्तान से फाइनल में भिड़ेगी।पाकिस्तान सुपर लीग (च्स) का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को इस लीग में मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच क्वालिफायर मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुल्तान की पारी के दौरान दो दिग्गज खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच में मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मुल्तान की पारी के दौरान 19वें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने शाहीन अफरीदी की गेंद पर तीन छक्के जड़े। इससे शाहीन भड़क गए। ओवर खत्म होने पर बॉलिंग मार्क तक वापस जाने तक शाहीन कुछ बोलते हैं। वीडियो में ऐसा देखा जा सकता है। इस पर पोलार्ड भी उन्हें जवाब देते दिखाई पड़ते हैं।इस पर शाहीन का गुस्सा और बढ़ जाता है और वह पोलार्ड के करीब पहुंच जाते हैं। दोनों के बीच भिड़ंत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शाहीन के 19वें ओवर में 20 रन बने और इसमें से पोलार्ड ने 19 रन बनाए थे। शाहीन स्पष्ट रूप से रन पड़ने से नाखुश और चिढ़े हुए थे। वीडियो आप नीचे देख सकते हैं—शाहीन ने 19वें ओवर की शुरुआत पोलार्ड को डॉट बॉल से की थे। इसके बाद पोलार्ड ने अगली दो गेंदों पर दो शानदार छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की चौथी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर हुसैन तलत ने पोलार्ड का कैच छोड़ दिया और बल्लेबाज ने एक रन ले लिया। अगली गेंद पर टिम डेविड ने फिर से स्ट्राइक रोटेट की। इसके बाद पोलार्ड ने आखिरी गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया।कीरोन पोलार्ड ने 34 गेंदों में 57 रन बनाए और मुल्तान सुल्तांस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में लाहौर कलंदर्स को 14.3 ओवरों में 76 रनों पर आउट कर दिया। लाहौर के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। शेल्डन कॉट्रेल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ मुल्तान की टीम सीधे फाइनल में पहुंच गई। अब इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच गुरुवार को एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसमें जीतने वाली टीम शुक्रवार को लाहौर कलंदर्स ने दूसरे क्वालिफायर में भिड़ेगी। इसमें से जीतने वाली टीम 19 मार्च को मुल्तान से फाइनल में भिड़ेगी।पाकिस्तान सुपर लीग (च्स) का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को इस लीग में मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच क्वालिफायर मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुल्तान की पारी के दौरान दो दिग्गज खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच में मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मुल्तान की पारी के दौरान 19वें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने शाहीन अफरीदी की गेंद पर तीन छक्के जड़े। इससे शाहीन भड़क गए। ओवर खत्म होने पर बॉलिंग मार्क तक वापस जाने तक शाहीन कुछ बोलते हैं।

कप्तानी छोड़ने के फैसले पर बोले कोहली- मुझे खुद पर यकीन नहीं था, मेरा टैंक खाली हो चुका था

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 2021 सीजन के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ने पर खुलकर बात की है। उन्होंने बुधवार को रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की महिला टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें कोई विश्वास नहीं था और उनका टैंक पूरी तरह खाली हो चुका था। इसके बाद ही उन्होंने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। आरसीबी के लिए आईपीएल 2019 बेहद खराब रहा था। लगातार छह हार के साथ यह टीम अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इससे पहले 2017 में भी कोहली की टीम आखिरी पायदान पर रही थी, जबकि 2016 में कोहली अपने दम पर टीम को फाइनल तक ले गए थे, जहां उनकी टीम हैदराबाद से हार गई थी।कोहली ने 2021 सीजन के बाद आरसीबी के कप्तान का पद छोड़ दिया और दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस ने टीम की बागडोर संभाली। इसके बाद आरसीबी का प्रदर्शन बहुत बेहतर रहा है। विराट की टीम भले ही अब तक खिताब न जीत पाई हो, लेकिन प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। कोहली ने आरसीबी की महिला टीम से बातचीत के दौरान कहा, षजिस समय मेरी कप्तानी का कार्यकाल यहां समाप्त हो रहा था, मुझे कोई विश्वास नहीं था, बहुत ईमानदार से कहूं तो मेरा टैंक बिल्कुल खाली था। लेकिन वह मेरा अपना नजरिया था, ऐसा मैं सिर्फ एक व्यक्ति कह रहा था कि मैंने बहुत कुछ देखा है, मैं इसे अभी और नहीं कर सकता, इसे अब और नहीं संभाल सकता। लेकिन अगले सीजन में नए लोग आए उनके पास नए विचार थे, एक और अवसर था। वे उत्साहित थे, एक व्यक्ति के रूप में हो सकता है कि मैं उतना उत्साहित नहीं था। लेकिन उन्होंने ऊर्जा बनाई और हम तीन साल तक प्लेऑफ में पहुंचे।ष्आरसीबी की टीम ने 2020, 2021 और 2022 में आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाई। इस पर उन्होंने कहा ष्अब हम हर सीजन की शुरुआत उस उत्साह के साथ करते हैं जो पहले था और मैं अब उत्साहित महसूस करता हूं, जो उस स्तर तक नहीं था। इसलिए यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, अगर कोई हताश महसूस कर रहा है, तो दूसरे उसका मनोबल बढ़ा सकते हैं।ष्साट ने 2021 टी20 विश्व कप के बाद भारत की टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके साथ ही उन्होंने आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी। कुछ समय बाद उनसे वनडे की कप्तानी छीन ली गई और अगले ही महीने उन्होंने टेस्ट टीम की कमान छोड़ दी।4 वर्षीय कोहली ने कहा कि उनके करियर में ऐसे दौर आए जब उन्होंने असुरक्षित महसूस किया और अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा ष .. मुझे लगातार लोगों से याद दिलाए जाने की जरूरत थी, युवा खिलाड़ियों से भी, क्योंकि उनके पास नया नजरिया है। मैं दबाव में था, क्योंकि मैं इतने लंबे समय तक खेला हूं, मैं असुरक्षित रहा हूं, मैंने मेरी प्रतिष्ठा के अनुसार अपने प्रदर्शन की कोशिश की, जैसे श्ओह मैं विराट कोहली हूं, मुझे हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना है। मैं आउट होने का जोखिम नहीं उठा सकता।श्लेकिन ये युवा आते हैं और मुझसे कहते हैं, श्तुमने गेंद को हिट क्यों नहीं किया?श् और मैं ऐसा था, श्वह सही हैश्। मैं इसके बारे में सोच भी नहीं सकता था क्योंकि मैं अपने आप और मुझे क्या करना चाहिए और लोग मुझे कैसे देख रहे हैं। इन सब बातों में इतना फंस गया था कि खेल खेलने का तरीका भूल गया था।कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट में शानदार 186 रनों की पारी खेली, जिससे उनका 28वां टेस्ट शतक पूरा करने का तीन साल का इंतजार खत्म हुआ। अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके 75 शतक हो चुके हैं।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 2021 सीजन के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ने पर खुलकर बात की है। उन्होंने बुधवार को रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की महिला टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें कोई विश्वास नहीं था और उनका टैंक पूरी तरह खाली हो चुका था। इसके बाद ही उन्होंने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। आरसीबी के लिए आईपीएल 2019 बेहद खराब रहा था। लगातार छह हार के साथ यह टीम अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इससे पहले 2017 में भी कोहली की टीम आखिरी पायदान पर रही थी, जबकि 2016 में कोहली अपने दम पर टीम को फाइनल तक ले गए थे, जहां उनकी टीम हैदराबाद से हार गई थी।कोहली ने 2021 सीजन के बाद आरसीबी के कप्तान का पद छोड़ दिया और दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस ने टीम की बागडोर संभाली। इसके बाद आरसीबी का प्रदर्शन बहुत बेहतर रहा है। विराट की टीम भले ही अब तक खिताब न जीत पाई हो, लेकिन प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। कोहली ने आरसीबी की महिला टीम से बातचीत के दौरान कहा, षजिस समय मेरी कप्तानी का कार्यकाल यहां समाप्त हो रहा था, मुझे कोई विश्वास नहीं था, बहुत ईमानदार से कहूं तो मेरा टैंक बिल्कुल खाली था। लेकिन वह मेरा अपना नजरिया था, ऐसा मैं सिर्फ एक व्यक्ति कह रहा था कि मैंने बहुत कुछ देखा है, मैं इसे अभी और नहीं कर सकता, इसे अब और नहीं संभाल सकता। लेकिन अगले सीजन में नए लोग आए उनके पास नए विचार थे, एक और अवसर था। वे उत्साहित थे, एक व्यक्ति के रूप में हो सकता है कि मैं उतना उत्साहित नहीं था। लेकिन उन्होंने ऊर्जा बनाई और हम तीन साल तक प्लेऑफ में पहुंचे।ष्आरसीबी की टीम ने 2020, 2021 और 2022 में आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाई। इस पर उन्होंने कहा ष्अब हम हर सीजन की शुरुआत उस उत्साह के साथ करते हैं जो पहले था और मैं अब उत्साहित महसूस करता हूं, जो उस स्तर तक नहीं था। इसलिए यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, अगर कोई हताश महसूस कर रहा है, तो दूसरे उसका मनोबल बढ़ा सकते हैं।ष्साट ने 2021 टी20 विश्व कप के बाद भारत की टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके साथ ही उन्होंने आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी। कुछ समय बाद उनसे वनडे की कप्तानी छीन ली गई और अगले ही महीने उन्होंने टेस्ट टीम की कमान छोड़ दी।4 वर्षीय कोहली ने कहा कि उनके करियर में ऐसे दौर आए जब उन्होंने असुरक्षित महसूस किया और अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा ष .. मुझे लगातार लोगों से याद दिलाए जाने की जरूरत थी, युवा खिलाड़ियों से भी, क्योंकि उनके पास नया नजरिया है। मैं दबाव में था, क्योंकि मैं इतने लंबे समय तक खेला हूं, मैं असुरक्षित रहा हूं, मैंने मेरी प्रतिष्ठा के अनुसार अपने प्रदर्शन की कोशिश की, जैसे श्ओह मैं विराट कोहली हूं, मुझे हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना है। मैं आउट होने का जोखिम नहीं उठा सकता।श्लेकिन ये युवा आते हैं और मुझसे कहते हैं, श्तुमने गेंद को हिट क्यों नहीं किया?श् और मैं ऐसा था, श्वह सही हैश्। मैं इसके बारे में सोच भी नहीं सकता था क्योंकि मैं अपने आप और मुझे क्या करना चाहिए और लोग मुझे कैसे देख रहे हैं। इन सब बातों में इतना फंस गया था कि खेल खेलने का तरीका भूल गया था।कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट में शानदार 186 रनों की पारी खेली, जिससे उनका 28वां टेस्ट शतक पूरा करने का तीन साल का इंतजार खत्म हुआ। अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके 75 शतक हो चुके हैं।भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 2021 सीजन के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ने पर खुलकर बात की है। उन्होंने बुधवार को रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की महिला टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें कोई विश्वास नहीं था और उनका टैंक पूरी तरह खाली हो चुका था। इसके बाद ही उन्होंने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। आरसीबी के लिए आईपीएल 2019 बेहद खराब रहा था। लगातार छह हार के साथ यह टीम अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इससे पहले 2017 में भी कोहली की टीम आखिरी पायदान पर रही थी, जबकि 2016 में कोहली अपने दम पर टीम को फाइनल तक ले गए थे।

झुग्गी झोपड़ी

सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव

RNI No.:
UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532-2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजीकृत ए/बी 123/21. 23
e-mail:
Jhuggijhopari@gmail.com
Website-
www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इस से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा